तापमान

अधिकतम 32.2 डिग्री

न्यूनतम 23.6 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

12 रक्तदान को जनआंदोलन बनाने की तैयारी...

13 निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल, निष्पक्ष ...

खबर संक्षेप

गांजा के साथ अपचारी बालक पकड़ा गया

भिलाई। अवैध रूप से गांजा तस्करी करने वाले अपचारी बालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बालक के पास से 25 हजार रुपए का गांजा, बाइक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। बालक के पास से 500 ग्राम अवैध गांजा, बाइक 50 हजार, मोबाइल फोन बरामद किया है।

जिले के दिन का पारा 32.2, बढ़ने लगी गर्मी

दुर्ग। जिले में शनिवार को मौसम पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। सुबह से आसमान में घने बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। दोपहर में धूप भी खिली। इसकी वजह से तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री रहा।

भिलाई तीन थाना क्षेत्र की है घटना

स्क्रैप चोरी मामले में लोडर ऑपरेटर गिरफ्तार, अब तक 16 पकड़े गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी के लोहा स्क्रैप चोरी मामले में पुलिस ने लोडर ऑपरेटर को पुलिस ने गिफ्तार किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम अकलोरडीह, खदानपारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, प्लॉट क्रमांक-18, एच.आई.ए. हथखोज में दबिश देकर लोहा का बड़ा अवैध कारोबार का खुलासा पुलिस ने किया। उसमें अब तक 15 आरोपी को पकड़ा जा चुका है। 16 वां आरोपी लोडर ऑपरेटर ग्राम मोखा, जिला धमतरी निवासी हेमंत देवांगन को पकड़ा गया है। पुलिस की जांच टीम ने मौके से हाईवा, ट्रक, अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम कटिंग सामग्री भी जब्त की गई है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा संगठित रूप से बीएसपी से फ्लू डस्ट परिवहन के दौरान लौह स्क्रैप की चोरी कर संग्रहित किया जा रहा था। मौके से 250 टन वजनी लौह प्लेट, बीम कटिंग समेत अन्य सामान जब्त की गई है। जांच में आरोपी हेमंत देवांगन शामिल होने का साक्ष्य पुलिस को मिला है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर पता चला कि वह हिमांशु ब्रदर्स कंपनी में लोडर ऑपरेटर के रूप में कार्य करता था। गिरोह के सदस्यों द्वारा उससे रात के समय लौह स्क्रैप के साथ-साथ कोक कोयला भी लोड कराया जाता था। फ्लू डस्ट के भीतर छिपाकर हाईवा वाहनों के माध्यम से बीएसपी से बाहर भेजा जाता था। आरोपी के शामिल होने का प्रमाणित होने पर घटना में उपयोग किए गए लोडर वाहन सीजी 07 सीई 02491 को जब्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

90 लाख रुपये का सामान किया गया जब्त

- लौह स्क्रैप के साथ-साथ कोक कोयला भी फ्लू डस्ट में बाहर भेजा था
- पुलिस लगातार संदिग्धों से कर रही पूछताछ

पुलिस जांच में जुटी हुई है, दो मजदूरों ने देखा पहले

जेवरा सिरसा में खून के निशान, मछली अंडा और पूजा सामग्री मिली, तंत्रमंत्र का संदेह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

गांव में शनिवार की सुबह खून के निशान, नीबू और मछली अंडे समेत पूजा सामान मिलने से सनसनी फैल गई। खबर लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। गांव के सरपंच का दावा है कि मुक्तिधाम में सूअर के बच्चे की बलि दी गई है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

मिली जानकारी के मुताबिक सुबह मुक्तिधाम में रेलिंग लगाने के लिए भेजे गए दो मजदूरों ने वहां बिखरी पूजा सामग्री और खून के निशान देखकर सूचना दिया।अनुमान है कि रात के समय किसी ने मुक्तिधाम में तंत्र-मंत्र से जुड़ी पूजा की होगी। सुबह जब लोग वहां पहुंचे तो जमीन पर खून फैला हुआ था। पूजा में इस्तेमाल होने वाली कई सामग्री बिखरा पड़ा मिला। किसी बैगा ने तंत्र-मंत्र से जुड़ी पूजा की होगी। पूजा पूरी होने के बाद वह वहां से फरार हो गया। पूजा किस उद्देश्य से की गई थी। मुक्तिधाम के आसपास खून के निशान मिले हैं, लेकिन यह खून किसका है, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस का मानना है कि जांच के दौरान पशु बलि जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। दावा है कि सूअर के बच्चे की बलि देकर उसे मटके में रखा गया था। फिलहाल मौके पर मिले सामान के आधार पर केवल तंत्र-मंत्र से जुड़ी पूजा किए जाने की आशंका जताई गई है। सूचना मिलने पर जेवरा-सिरसा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

गांव बांधने की है परंपरा

ग्रामीणों के मुताबिक सावन शुरू होने से एक दिन पहले गांव में बैगा द्वारा गांव बांधने की पूजा करने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। सावन के दौरान तंत्र-मंत्र से जुड़ी गतिविधियों को लेकर सनसनी फैली हुई है। पुलिस आसपास में लगे सीसी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है।

सास और ननद के खिलाफ अपराध दर्ज

भिलाई। भिलाई नगर थाना ने मारपीट व गालीगलौज के मामले में सास आशा कनौजिया और ननद मनीषा कनौजिया के खिलाफ धारा बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार रुआबांधा निवासी एक 30 वर्षीय महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 24 जुलाई दोपहर 12 बजे उनकी सास आशा कनौजिया द्वारा जब से शादी कर आयी हो तब से नंदु कनौजिया जेल में है, तुम मनहुस हो, कहते हुए गाली गलौज करते हुए मारपीट की। मनीषा ने भी मारपीट में मां का साथ दिया। इस मारपीट से उन्हें चोंटे आई है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

एक दिन पहले दो कृषि सेवा केंद्रों पर हुई थी एफआईआर यह तीसरी

अवैध उर्वरक व कीटनाशक कारोबार मामले में कुम्हारी के कृषि सेवा केंद्र पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अवैध खाद भंडारण और बिना लाइसेंस बिक्री के मामले में कृषि विभाग ने एक और कृषि सेवा केंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया है। कुम्हारी के मेसर्स ऋषभराज फर्टिलाइजर के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल ने कुम्हारी के विभिन्न कृषि आदान केंद्रों, गोदामों और संदिग्ध भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई स्थानों पर उर्वरक एवं कीटनाशक के भंडारण और विक्रय में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की गई थी।

बड़ी मात्रा में उर्वरक जब्त हुआ

कुम्हारी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान मेसर्स ऋषभराज फर्टिलाइजर के द्वारा एक निजी परिसर में बिना वैध अनुज्ञप्ति के उर्वरकों का भंडारण पाया गया।

जांच में मौके से बड़ी मात्रा में कृषि आदान बरामद किए गए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार परिसर में सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) के 204 बैग, सिंगल सुपर फॉस्फेट के 298 बैग, डीएपी के 50 बैग, पोटाश के 20 बैग तथा यूरिया के 75 बैग सहित अन्य सामग्री रखी गई थी। संबंधित व्यक्ति आवश्यक दस्तावेज और लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद सामग्री को जब्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की गई थी। कृषि विभाग ने इसे उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित थाने में मामला दर्ज कराया है। अधिकारियों का कहना है कि खरीफ सीजन में खाद की मांग बढ़ने के कारण जमाखोरी और अवैध भंडारण की शिकायतों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

एक दिन पहले भी दो कृषि केंद्रों पर भी केस दर्ज

एक दिन पहले यानी शुक्रवार को कृषि विभाग द्वारा पाटन विकासखंड के ग्राम चिंगरी (अंडा) में वरूण त्रिपाठी के खिलाफ अंडा थाने में एफआईआर दर्ज करवा चुकी है। यहां नकली कीटनाशक बनाने की फैक्टरी का खुलासा हुआ। रीवा के वरूण त्रिपाठी के खिलाफ एफआईआर की गई है। वहीं पाटन के मेसर्स कृषि सेवा केंद्र के संचालक रूपेश कश्यप पर भी एफआईआर दर्ज करवाई गई। यहां दोगुने दाम पर खाद की बिक्री करना पाया गया। इस तरह पहले दो और अब एक कृषि केंद्र पर यानी कुल तीन पर एफआईआर की कार्रवाई की गई है। यहां बिना अनुमति उर्वरक और कीटनाशक दवाओं के भंडारण तथा विक्रय की जानकारी मिलने पर जांच की गई। जांच में नियमों के विपरीत कृषि आदानों का भंडारण पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं कीटनाशक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कराया गया।

इलाज कराने पहुंची नाबालिग से छेड़छाड़, डॉक्टर गया जेल

दुर्ग। पद्मनाभपुर थाना अंतर्गत बोरसी कॉलोनी स्थित डॉक्टर की क्लीनिक में 17 वर्षीय नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी है कि आरोपी डॉक्टर ने उसके प्रायवेट पार्ट पर गलत तरीके से टच किया। इसकी शिकायत नाबालिग ने अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर की। इसके बाद पुलिस ने शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. सुधीर हिषीकर पर पाक्सो एक्ट 4 के तहत अपराध दर्ज किया गया। आरोपी डॉ. हिषीकर को शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना 24 जुलाई की शाम करीब साढ़े 7 बजे की है। नाबालिग इलाज के लिए डॉ. हिषीकर की क्लीनिक पहुंचा था। जहां इलाज के दौरान यह घटना सामने आई।

नीट मामले में मंत्री का इस्तीफा लोकतंत्र की जीत

दुर्ग। नीट एग्जाम में अनियमितता और कार्रवाई को लेकर दिल्ली में चल रहे आंदोलन में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद युवाओं में तीखी प्रतिक्रिया है। इसे लेकर ग्रामीण कांग्रेस नेता दीप सारस्वत ने कहा कि यह देश के करोड़ों छात्रों, युवाओं और उनके लोकतांत्रिक संघर्ष की ऐतिहासिक जीत है। यह जीत किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि उन छात्रों की है जिन्होंने अपने भविष्य, शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और न्याय के लिए लगातार आवाज बुलंद की। प्रदर्शन लगातार जारी रहा। यह जनदबाव और छात्र शक्ति की जीत का परिणाम है।

स्टूडेंट्स ने दिखाई ताकत

भिलाई। दिल्ली में छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को हिरासत में लिए जाने और युवाओं के विरोध के बाद केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे का समाजवादी पार्टी दुर्ग ने स्वागत किया है।

आईआईटी भिलाई तैयार करेगा डिजिटल पोर्टल

रक्तदान को जनआंदोलन बनाने की तैयारी, बनेगा वार्षिक ब्लड डोनेशन कैलेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले में रक्त की कमी से किसी भी मरीज की जान न जाए, इसी उद्देश्य के साथ इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग ने शनिवार को भिलाई के कला मंदिर में रक्तदान-महादान विषय पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में जिले की सामाजिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, व्यापारी, महिला और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर रक्तदान अभियान को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें नियमित रक्तदान शिविरों का वार्षिक कैलेंडर तैयार करना, आईआईटी भिलाई के सहयोग से डिजिटल पोर्टल विकसित करना तथा रक्तदाता संस्थाओं को विशेष सुविधा देने जैसी पहल शामिल हैं।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग के अध्यक्ष अभिजीत सिंह ने कहा कि जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित रेडक्रॉस ब्लड बैंक जनभागीदारी का एक सफल मॉडल बन चुका है। यहां गंभीर और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है, जिससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब पूरे वर्ष नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए एक वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा, ताकि प्रत्येक संस्था अपनी सुविधानुसार तिथि निर्धारित कर रक्तदान शिविर आयोजित कर सके। बैठक में पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया। कलेक्टर ने बताया कि आईआईटी भिलाई के सहयोग से एक ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल एप विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रत्येक संस्था द्वारा किए गए रक्तदान का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। साथ ही ब्लड बैंक में उपलब्ध रक्त की यूनिट, विभिन्न रक्त समूहों की स्थिति तथा अन्य आवश्यक जानकारी भी ऑनलाइन देखी जा सकेगी। इससे रक्तदान व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। बैठक में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. एसआर चुरेन्द्र ने ब्लड बैंक की वर्तमान व्यवस्था, जिले में रक्त की आवश्यकता और स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान से ब्लड बैंक में सभी रक्त समूहों की उपलब्धता बनी रहती है और आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तत्काल राहत मिलती है।

वसुंधरा सम्मान के लिए निर्णायक समिति गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

वसुंधरा सम्मान का यह निरंतर 26 वां वर्ष है। इस वर्ष के सम्मान का चयन करने के लिए निर्णायक समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष विश्वेश ठाकरे होंगे। प्रसार भारती के पूर्व निदेशक लीलाधर मंडलोई दिल्ली, कथाकार सतीश जायसवाल बिलासपुर, आलोचक डॉ. वीरेंद्र मोहन सागर, पत्रकार ईवी मुरली रायपुर, कथाकार श्रद्धा थवाईत रायपुर, विनोद मिश्र संयोजक वसुंधरा सम्मान, डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष आयोजन समिति और श्वेता उपाध्याय निर्णायक समिति के सदस्य होंगे। वसुंधरा सम्मान 14 अगस्त को महात्मा गांधी कला मंदिर सभागार भिलाई में प्रदान किया जाएगा। निर्णायक समिति के विचार विमर्श के पश्चात 1 अगस्त को निर्णय की घोषणा की जाएगी। आयोजन समिति की सचिव श्वेता उपाध्याय ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि समिति की आगामी कार्ययोजना जल्द ही तैयार की जाएगी।

कांग्रेस ने किया विजय मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जिला कांग्रेस कमेटी ने विजय मार्च निकाला। विजय मार्च की शुरुआत जेआरडी स्कूल के सामने स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा से हुई, जो पटेल चौक तक पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र-युवा एवं आम नागरिक शामिल हुए। उपस्थित कांग्रेसजनों ने इसे देशभर के विद्यार्थियों, युवाओं और आम जनता द्वारा किए गए लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताया तथा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को बुलंद किया। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर व धीरज बाकलीवाल ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उन लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और युवाओं के संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने लगातार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे बड़ी होती है और जब छात्र-युवा अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष करते हैं तो सरकार को अंततः जनता की भावना का सम्मान करना पड़ता है। इस अवसर पर पुकेश चंद्रकार, प्रमोद राजपूत, पुरुषोत्तम तिवारी, प्रकाश ठाकुर, राजेश यादव, संजय कोहले, करीम खान, संतलाल बंजारे, दुर्गा गजभिये सहित अन्य मौजूद थे।

बदलती जीवनशैली और आधुनिक जरूरतों के बीच अब लोग ऐसे उत्पादों और सेवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो गुणवत्ता के साथ-साथ लंबे समय तक आर्थिक लाभ भी दें। इसी उद्देश्य से तैयार किए गए इस विशेष अंक में रीजॉय सोलर पॉवर प्रा. लि., शिवांश इंटरप्राइजेस (टाटा सोलर), राज कंस्ट्रक्शन तथा ज्ञान गंगा, सांई मूर्ति एंड हैंडीक्राफ्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की जानकारी प्रकाशित की जा रही है। यह अंक उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर विश्वसनीय सेवाओं, आधुनिक तकनीक और स्थानीय व्यवसायों की उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराएगा।

बदलती जरूरतों के साथ बदल रहा है स्थानीय मार्केट

आज का उपभोक्ता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि गुणवत्ता, भरोसा और लंबे समय तक मिलने वाले लाभ को महत्व देता है। यही कारण है कि सोलर ऊर्जा, आधुनिक निर्माण और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में लोगों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। यह विशेष अंक पाठकों को ऐसे प्रतिष्ठानों से परिचित कराएगा, जो अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर सेवाएं और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं।

सोलर सिस्टमः बचत भी, सुरक्षा भी

बिजली की बढ़ती खपत और लगातार बढ़ते बिजली बिल के बीच सोलर सिस्टम आम लोगों के लिए एक उपयोगी और किफायती विकल्प बनकर उभरा है। घरों, दुकानों, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और कार्यालयों में सोलर पैनल लगाने से लंबे समय तक बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

सोलर सिस्टम के प्रमुख लाभ–

- बिजली बिल में बड़ी बचत।
- 25 वर्ष या उससे अधिक समय तक उपयोग की क्षमता।
- पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग।
- बिजली कटौती के दौरान ऊर्जा उपलब्धता में सहायता (उपयुक्त सिस्टम के साथ)।
- संपत्ति का मूल्य बढ़ाने में सहायक।
- पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम होती है।

सरकार भी समय-समय पर रूफटॉप सोलर जैसी योजनाओं के माध्यम से सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है, जिससे आम नागरिकों को इस तकनीक को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

विश्वसनीय सेवाएं एक ही मंच पर

रीजॉय सोलर पॉवर प्रा. लि. और शिवांश इंटरप्राइजेस (टाटा सोलर) आधुनिक सोलर समाधान और ऊर्जा बचत से जुड़ी सेवाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्वच्छ और किफायती ऊर्जा अपनाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

राज कंस्ट्रक्शन गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य, आधुनिक तकनीक और भरोसेमंद सेवाओं के जरिए आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं में अपनी पहचान बना रहा है। वहीं **ज्ञान गंगा, सांई मूर्ति एंड हैंडीक्राफ्ट** धार्मिक मूर्तियों, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प उत्पादों की आकर्षक श्रृंखला के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करने का कार्य कर रहा है।

आम जनता को क्या होगा लाभ?

- एक ही अंक में विश्वसनीय स्थानीय व्यवसायों की जानकारी।
- बिजली बचाने और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए सोलर सिस्टम की जानकारी।
- गुणवत्तापूर्ण निर्माण सेवाओं और अनुभवी संस्थानों तक आसान पहुंच।
- धार्मिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं के लिए भरोसेमंद प्रतिष्ठानों का चयन।
- समय की बचत और सही निर्णय लेने में सुविधा।
- स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती।

यह विशेष अंक केवल विज्ञापनों का संकलन नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं और स्थानीय व्यवसायों के बीच विश्वास का एक मजबूत माध्यम है। इसके जरिए पाठकों को उपयोगी जानकारी, बेहतर विकल्प और विशेषज्ञ सेवाओं तक पहुंच मिलेगी, वहीं स्थानीय उद्यमों को अपने कार्यों को अधिक लोगों तक पहुंचाने का अवसर प्राप्त होगा। स्थानीय विकास, आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

ब्लॉक कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, राहुल गांधी की गिरफ्तारी पर जताया आक्रोश

जंतर-मंतर आंदोलन के मुद्दे पर एकजुट हुए कांग्रेसी, छात्राओं पर लाठी चलाए जाने की भर्त्सना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

केंद्र सरकार द्वारा जंतर मंतर के मुद्दे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के नेतृत्व में गुरुवार को ग्राम अंजोरा (ख) में विशाल प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसियों ने दिल्ली में छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण राकेश ठाकुर के दिशा निर्देश पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख ने कहा कि छात्र अपने हक की मांग कर रहे थे, उन पर लाठी चलवाना सरकार की बौखलाहट दर्शाता है। हम इस दमन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जिला उपाध्यक्ष रिवेन्द्र यादव ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान की नाकामी के कारण देशभर के छात्र सड़कों पर हैं। नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष

हस्त शिल्प बोर्ड नंद कुमार सेन ने कहा कि राहुल गांधी की गिरफ्तारी से साफ है कि भाजपा लोकतंत्र से डर गई है। कांग्रेस कार्यकर्ता हर अन्याय के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवेंद्र देशमुख, पूर्व अध्यक्ष हस्त शिल्प बोर्ड नंद कुमार सेन, जिला उपाध्यक्ष रिवेन्द्र यादव, देवराज चतुर्वेदी, कृष्णा देवांगन, लज कुमार देशमुख, रुपेश देशमुख, इन्द्राणी यादव, जामवंत गजपाल, तुलसी देशमुख, हरेंद्र देव, हेमंत देशमुख, संतोष सारथी, धनेश देशमुख, सुखदेव, मुकेश साहू, अशोक साहू, लोकेश साहू, केशरी देवांगन, गोल्डी देवांगन, अरुण वर्मा जनार्दन साहू, रविंद्र सिन्हा, खिलेश्वर, बीरेंद्र, मनीष, मानेश, मनोज सुरेश, ओमप्रकाश, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष, सेक्टर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, उतई नगर पंचायत के पदाधिकारीगण, त्रिस्तरीय पंचायती राज के जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ कांग्रेसजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी में बच्चों को कराया नेवता भोजन

ओखरा (मुरमुन्दा)। आंगनबाड़ी केंद्र 1. वार्ड क्रमांक-10 रिंगनी में पंच सुमन साहू ने बच्चों को नेवता भोजन करवाया। इस दौरान खीर, पूड़ी, दाल, चावल, सब्जी, पापड़, अचार और केला खाने को दिया गया। समुदाय के बच्चों को अच्छी देखभाल और अच्छी पोषण प्रदान करने व कुपोषण को दूर करने की प्रेरणा करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर कार्यकर्ता सत्यभामा साहू, सहायिका पूर्णिमा साहू, और मालती साहू, निशा साहू, पूर्वी धनकर, संगीता साहू और माता गण उपस्थित थे।

टोलाघाट में 17 अगस्त को होने वाली कांवर यात्रा महोत्सव की तैयारी जारी

कुम्हारी/ सेलूद। बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन की बैठक शुक्रवार को समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में सामुदायिक भवन वार्ड क्रमांक 8 कुम्हारी में संपन्न हुई। बैठक में सोमवार 17 अगस्त को पाटन से टोलाघाट तक कांवर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गई। पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने कहा कि कांवर यात्रा सनातन संस्कृति, आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। बैठक में स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित दायित्वों का निर्धारण किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डे ने शिवभक्तों से कांवर यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया। इस बैठक में मुख्य रूप से जितेन्द्र वर्मा (प्रदेश मंत्री), दिलीप साहू (जिला महामंत्री), धर्मेंद्र सिन्हा (मंडल अध्यक्ष), राजू निषाद (सांसद प्रतिनिधि) गोल्डी गोस्वामी (एल्डरमैन) दीपक चतुर्वेदी (मंडल महामंत्री), तृप्ति चंद्राकर (महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष), रागिनी निषाद (पूर्व पार्षद), योगिता वर्मा (मंडल मंत्री), जूही चंद्राकर (जिला आई टी सेल सह संयोजक), उमाकांत साहू (पार्षद वार्ड 4), शुभम पांडेय, रामप्रकाश गुप्ता (कार्यालय मंत्री), फिंगेश्वर साहू, मंडल उपाध्यक्ष उद्धव साहू आदि शामिल है।

न्यायालय तहसीलदार पाटन
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:- जिला- दुर्ग तहसील-पाटन प.ह.न.-00006 मोतीपुर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-.MD202526430302300021

ईश्तहार

तहसील पाटन के प.ह.न. 00006 के अंतर्गत ग्राम मोतीपुर के वर्तमान भूमिस्वामी सत्येन्द्र ठाकुर पिता/पति- त्रयंबकनाथ ठाकुर पता- म.न. 415 एस.एल.वी. सुपरमार्केट साउथ बैंगलूर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 675/7 (0.0116) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता सुमित ठाकुर पिता/पति- स्व. सत्येन्द्र ठाकुर पता- बेंगलूरु कर्नाटका, सजल ठाकुर पिता/पति- स्व. सत्येन्द्र ठाकुर पता- बेंगलूरु कर्नाटक के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 10/08/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार पाटन पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/07/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार:
Pawan Thakur
पाटन

लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासन नहीं कर रहा पहल

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिरगा में सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। आंगनबाड़ी भवन के निर्माण में कथित गुणवत्ता संबंधी कमियों के बाद अब ग्रामीणों ने अन्य सरकारी निर्माण कार्यों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे निर्माण कार्यों की पारदर्शिता और गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया। इस संबंध में कई बार शिकायतें की गईं, जिसके बाद संबंधित विभाग के इंजीनियर गौरव रामटेके द्वारा स्थल निरीक्षण भी किया गया। हालांकि ग्रामीणों का

दावा है कि जांच से वे संतुष्ट नहीं हैं और किसी वरिष्ठ एवं स्वतंत्र तकनीकी अधिकारी से पुनः निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि शिकायतों के बाद भी संबंधित ठेकेदार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है, तो संभावित मिलीभगत या संरक्षण की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि जांच में किसी अधिकारी या

अन्य जिम्मेदार व्यक्ति की लापरवाही अथवा भूमिका सामने आती है, तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मामला केवल आंगनबाड़ी भवन तक सीमित नहीं है। हाल ही में बनी शासकीय स्कूल की नई बाउंड्री वॉल में दरारें दिखाई देने लगी हैं। वहीं आबादी पारा के सामुदायिक भवन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एक ही ठेकेदार द्वारा किए गए कई निर्माण कार्यों में लगातार गुणवत्ता संबंधी शिकायतें सामने आना गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा किए गए सभी सरकारी निर्माण कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही निर्माण सामग्री, कार्य की माप, गुणवत्ता परीक्षण और भुगतान प्रक्रिया की भी निष्पक्ष जांच की जाए, ताकि यदि कहीं अनियमितता हुई है तो उसकी जवाबदेही तय हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के विधानसभा क्षेत्र में इस प्रकार के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठना चिंताजनक है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि विधायक स्वयं भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए पहल करेंगे।

एल्डरमैन देंगे नगर के विकास को गति : ईश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमधा

नगर पंचायत धमधा में नवनियुक्त मनोनीत एल्डरमैन का शपथ ग्रहण समारोह डॉ. भीमराव अंबेडकर केंद्रीय अटल बाजार चौक में रखा गया। समारोह में मनना महोबिया, अजय मिश्रा एवं उदयकांत पटेल ने एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

■ नवनियुक्त मनोनीत एल्डरमैन का शपथ ग्रहण

विधायक ईश्वर साहू की उपस्थिति में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धमधा लवकेश कुमार ध्रुव ने तीनों मनोनीत एल्डरमैनों को विधिवत शपथ दिलाकर नियुक्ति प्रदान की। इस अवसर पर विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नगर पंचायत को मिले नए जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर के सर्वांगीण विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्वेता प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि जिस प्रकार धमधा नगर पंचायत नगर पालिका बनने की दिशा में लगातार अग्रसर है, उसी प्रकार नव-नियुक्त एल्डरमैनों के सहयोग से विकास कार्यों में और अधिक तेजी आएगी। इस अवसर पर प्रशांत अग्रवाल, नवीन जैन, राजेंद्र ताम्रकार, भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट, नगर पंचायत उपाध्यक्ष बृजेंद्र दानी, पार्षद लक्ष्मीनारायण यादव, मलिक कुरैशी, संगीता साहू, कीर्ति ताम्रकार, कुमारी बाई टोन्ड्रे, चेतन सोनकर, दीप्ति गुप्ता, डोमर सोनकर आदि मौजूद थे।

एक प्रभावी शिक्षक के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल्स व इमोशनल इंटेलिजेंस आवश्यक

भिलाई। शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और प्रभावी शिक्षण कौशल को सशक्त बनाने उदय महाविद्यालय जामुल-भिलाई में शनिवार को टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सॉफ्ट स्किल ट्रेनर हिरेश

कुमार साहू ने बतौर प्रशिक्षक शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रभावी क्लासरूम कम्युनिकेशन, क्लासरूम मैनेजमेंट, प्रोफेशनल एथिक्स और टीचर का व्यवहार, इमोशनल इंटेलिजेंस और स्ट्रेस मैनेजमेंट, प्रॉब्लम सॉल्विंग और डिसीजन मेकिंग, तथा टाइम मैनेजमेंट और प्रोडक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक उदाहरणों और सहभागितापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि आज के समय में एक प्रभावी शिक्षक के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल्स, क्लासरूम मैनेजमेंट, इमोशनल इंटेलिजेंस और टाइम मैनेजमेंट जैसी प्रोफेशनल स्किल्स भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए।

बालवाड़ी में मजबूत शैक्षणिक नींव बनाने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

समग्र शिक्षा के अंतर्गत पाटन विकासखंड में गुरुवार को शिक्षकों एवं संकुल समन्वयकों की ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बालवाड़ी एवं प्रारंभिक कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण

■ पाटन विकासखंड में शिक्षकों एवं संकुल समन्वयकों की ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित

शिक्षण को बढ़ावा देना, शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाना तथा वर्षभर संचालित होने वाली प्रशिक्षण प्रक्रिया से सभी शिक्षकों को जोड़ना था।

बैठक में समग्र शिक्षा के एपीसी चंद्रभूषण शर्मा के नेतृत्व में विकासखंड स्रोत समन्वयक गुनेश्वर वर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) डालेंद्र देवांगन, संकुल समन्वयक एवं बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का संचालन अह्वान संस्था की ओर से बालवाड़ी समन्वयक शीतल मोटघरे एवं प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत प्रतिभागियों के परिचय एवं सहभागिता गतिविधियों से हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि बालवाड़ी बच्चों की शिक्षा की सबसे मजबूत नींव है। यदि प्रारंभिक वर्षों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं गतिविधि आधारित शिक्षा मिलेगी तो आगे की कक्षाओं में उनका सीखने का स्तर बेहतर होगा। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा वर्षभर की प्रशिक्षण योजना में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

बिजनेस साइट

बीएम कॉलेज में विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रारंभ

दुर्ग। बीएम कॉलेज, गोकुल नगर पुलगांव दुर्ग, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से मान्यता प्राप्त संस्था है। इसके अंतर्गत बीसीए, बीबीए, पीजीडीसीए और बीएड कोर्स संचालित है। बीएड के लिए कॉलेज कोड 114336 है। बीएड प्रवेश की प्रक्रिया काउंसलिंग द्वारा की जाएगी। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में प्रथम वर्ष और पीजीडीसीए कोर्स में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ है। बीएम प्राइवेट आईटीआई, एनसीवीटी दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत ट्रेड- कोपा (कंप्यूटर), इलेक्ट्रीशियन, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट, डीजल मैकेनिक, हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर एवं स्टेनो हिंदी कोर्स संचालित है। आरक्षित वर्ग के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्र अपनी सुविधानुसार ट्यूशन फीस को किस्तों में भी जमा कर सकते हैं।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

सुपेला मंडी की गंदगी देख आयुक्त हुई नाक बंद करने को मजबूर, तुरंत कराई गई सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

हर रोज की तरह शनिवार को भी भिलाई नगर निगम आयुक्त सुरुचि सिंह शनिवार को मॉर्निंग विजिट के दौरान सुपेला थोक सब्जी मंडी का निरीक्षण करने पहुंची। वहां पसरी गंदगी और बदबू ने आयुक्त को भी अपनी नाक बंद करने को मजबूर कर दिया। मंडी में फैली गंदगी और समय पर कचरा उठाव न होता देख उन्होंने जमकर नाराजगी जताई। इसके बाद तुरंत निगम का अमला जेसीबी लेकर पहुंचा और कई घंटे की मसक्कत के बाद मंडी व उसके आसपास डंप गंदगी को हटाया गया।

निरीक्षण के दौरान मंडी के अध्यक्ष रवि जॉन सिंह व अन्य सब्जी व्यापारियों ने आयुक्त से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि सुपेला सब्जी मंडी शहर की एक मात्र ऐसी सब्जी मंडी है, जो कि पूरे शहर ही नहीं आसपास के क्षेत्र में सब्जी की सप्लाई करती है। उन्होंने बताया कि मंडी के लोग समय पर निगम को टैक्स देते हैं इसके बाद भी मंडी से निकलने वाला कचरा रोज साफ नहीं होता है। उन्होंने बताया कि दो दिन से हो रही बारिश के चलते कचरा सड़ गया है और हालत यह हो गई है कि मंडी के लोग बदबू के चलते रुक नहीं पा रहे हैं, तो ग्राहकों का क्या हाल होता होगा। मंडी के लोगों से बात करते करते आयुक्त मंडी के अंदर घुसी ही थी कि तेज बदबू के चलते उन्होंने खुद अपनी नाक बंद कर ली। उन्होंने माना की उनकी समस्या जटिल है। इसके बाद उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी को बुलाकर मंडी का कचरा उठाव समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने सब्जी मंडी में जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

मूलभूत आवश्यकताओं का औचक निरीक्षण कर रही हैं आयुक्त सुरुचि सिंह

मंडी शिफ्टिंग को लेकर दिया सकारात्मक जवाब

रवि सिंह ने बताया कि मंडी समिति के लोगों ने आयुक्त के सामने मंडी को सुपेला थाने के पीछे शिफ्ट करने की अपनी पुरानी मांग को रखा। आयुक्त ने बताया कि उन्हें उनकी मांग पता है। उस पर कार्य तेजी से हो रहा है। राज्य सरकार से जैसे ही कुछ निर्देश आएंगे मंडी शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

हाइजीनिक फूड जोन में सफाई के निर्देश

इस दौरान आयुक्त ने चंद्रा मौर्या के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का अवलोकन कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। नव निर्मित ई-बस स्टैंड की व्यवस्थाओं और वार्ड 8 गांधी चौक क्षेत्र की सुविधाओं का जायजा लिया।

खबर संक्षेप

एचआरडी भवन में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यालय समिति, भिलाई-दुर्ग द्वारा सेल-सीईटी' द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र, मानव संसाधन विकास केन्द्र के भूतल स्थित सभागार में नराकास स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारीसेल-सीईटी सौरभ कुमार राजा थे। महाप्रबंधक मंजू हरिदास, पारमिता महान्ति, एके. श्रीवास्तव, एसके. देशमुख, तरुण कुमार, विनय कुमार, पुनीत चौबे, संदीप कुमार, उप महाप्रबंधक धीरज शाह, सहायक महाप्रबंधक गोपी कृष्णन, सहायक महाप्रबंधक विभागीय हिंदी अधिकारी दयानंद साहू वरिष्ठ प्रबंधकगण श्री आई. वेंकटेश, श्री नितिन चौबे तथा 'नराकास, भिलाई-दुर्ग' की ओर से श्री जितेन्द्र दास मानिकपुरी, उप प्रबंधक, उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से नराकास स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। सहायक महाप्रबंधक दयानंद साहू ने प्रतियोगिता के विषय में जानकारी दी। महाप्रबंधक, सुश्री पारमिता माहान्ति ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेजाओं को पुरस्कृत भी किया गया। प्रथम- प्रमोद कुमार सिंह. वरिष्ट प्रबंधक, आरडीसीआईएस द्वितीय धर्मेन्द्र कुमार रहे।

प्रियदर्शनी अंडरब्रिज पर लगी एक किलोमीटर तक लंबी कतारें

होर्डिंग निकालने घंटों बंद रहा सुपेला अंडरब्रिज, आवागमन में हुई दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सुपेला अंडरब्रिज शनिवार की शाम बंद कर दिया गया। इस अंडरब्रिज में लगे होर्डिंग्स को निकालने का कार्य हुआ। होर्डिंग्स निकालने में घंटों लग गए। जिसकी वजह से इस अंडरब्रिज पर आवागमन दोनों छोर से बंद रहा। वाहन चालकों को डायवर्ट कर घटना के बाद प्रशासन और संबंधित एजेंसियां तुरंत हरकत में आईं। शनिवार से क्षतिग्रस्त स्ट्रक्चर को हटाने और मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। इसी वजह से एहतियात के तौर पर सुपेला अंडरब्रिज को अस्थायी रूप से बंद किया गया। अंडरब्रिज बंद होने से बड़ी संख्या में वाहन चालक प्रियदर्शिनी अंडरब्रिज, नेहरू नगर अंडरब्रिज और पावर हाउस अंडरब्रिज का इस्तेमाल करना पड़ा। जिसके कारण इन मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है।

एक दिन पहले कार में गिर गया था होर्डिंग

सबसे ज्यादा दबाव प्रियदर्शनी अंडरब्रिज पर

सुपेला अंडरब्रिज को बंद करने का सबसे बड़ा असर प्रियदर्शनी अंडरब्रिज पर पड़ा। प्रियदर्शनी अंडरब्रिज से वाहनों को आवागमन करवाया गया। सैकड़ों कारें और दुपहिया वाहनों को प्रियदर्शनी अडंरब्रिज से गुजरना शुरू हुआ तो यहां भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो गई। अंडरब्रिज के दोनों छोर पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। करीब आधा-आधा किलोमीटर लंबी लाइन बन गई।

कार पर गिर गया था होर्डिंग

शुक्रवार को अंडरब्रिज के भीतर लगी एक होर्डिंग अचानक नीचे गिर गई थी, जो एक कार पर आ गिरी। घटना में बड़ा हादसा तो टल गया, लेकिन इसके बाद होर्डिंग्स की सुरक्षा और मजबूती को लेकर सवाल खड़े हो गए। इसी को देखते हुए शनिवार को सभी होर्डिंग्स को निकालने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान अंडरब्रिज के भीतर मशीनों और कर्मचारियों की मदद से होर्डिंग्स हटाई गईं। कार्य के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना न हो, इसके लिए यातायात को पूरी तरह बंद रखा गया। हालांकि इस दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर पर्याप्त पूर्व सूचना नहीं दिए जाने से वाहन चालकों को अचानक परेशानी का सामना करना पड़ा।

बिना सूचना के बढ़ी परेशानी

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना था कि अंडरब्रिज बंद किए जाने की जानकारी पहले से सार्वजनिक नहीं की गई थी। अधिकांश लोग रोज की तरह सुपेला अंडरब्रिज से गुजरने पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचने पर मार्ग बंद मिला। इसके बाद उन्हें दूसरे रास्तों का उपयोग करना पड़ा। अचानक बड़ी संख्या में वाहन प्रियदर्शनी अंडरब्रिज की ओर मुड़ने से वहां ट्रैफिक का दबाव कई गुना बढ़ गया। शाम के व्यस्त समय में कार्यालयों से लौट रहे कर्मचारी, बाजार आने-जाने वाले नागरिक और स्कूल-कॉलेज से लौट रहे विद्यार्थियों को जाम में फंसना पड़ा। कई दोपहिया वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों की तलाश करते नजर आए, जबकि चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें धीरे-धीरे आगे बढ़ती रहीं।

दोनों ओर लगी लंबी कतारें : प्रियदर्शनी अंडरब्रिज के दोनों छोर पर लगभग एक-एक किलोमीटर तक वाहनों की लाइनें दिखाई दीं। कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे थे। ट्रैफिक पुलिस और अन्य कर्मचारियों को यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। जाम के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य समय की तुलना में काफी अधिक समय लगा।

खुली नालियां बनीं हादसों की वजह, आयुक्त से कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में खुले नालों और क्षतिग्रस्त पुलियों से बढ़ते सड़क हादसों को लेकर नागरिकों ने निगम प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में नगर पालिका निगम भिलाई के आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर शहर के विभिन्न वार्डों में खुले नालों की मरम्मत, ढक्कन लगाने और आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने की मांग की गई है। शिवसेना के भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने ज्ञापन में बताया गया है कि खुर्सीपार जोन-4, सेक्टर-11, जोन-3, मदर टेरेसा नगर सहित शहर के कई इलाकों में नालियों का निर्माण सही ढंग से नहीं किया गया है। कई स्थानों पर नालियां खुली हुई हैं, जबकि चौराहों और मोड़ों पर सुरक्षा दीवार या रेलिंग नहीं होने से दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। बारिश के दौरान हालात और भी गंभीर हो जाते हैं।

- खुर्सीपार, मदर टेरेसा नगर, बैकुंठधाम समेत कई वार्डों में खुले नालों और क्षतिग्रस्त पुलियों से लोगों की जान पर खतरा

जलभराव के कारण नालियां दिखाई नहीं देतीं, जिससे दोपहिया वाहन चालक संतुलन खोकर गिर जाते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यह स्थिति सबसे अधिक जोखिम भरी बताई गई है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि छावनी वार्ड-40 इंडस्ट्रीज एरिया से बापू नगर तीन तालाब जाने वाले मार्ग तथा राजीव नगर वार्ड-43 मोची मोहल्ला की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित पुलिया करीब एक वर्ष पहले धंसकर लगभग 10 फीट गहरी हो चुकी है, लेकिन अब तक उसकी मरम्मत नहीं की गई है। इसी तरह वार्ड-32 बैकुंठधाम से गार्डन पानी टंकी मार्ग पर वाधवा को-ऑपरेटिव के पहले चौराहे के पास खुली नाली के कारण पानी के टैंकर मुड़ते समय कई स्कूली बच्चे गिर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात में पानी भर जाने से नाली की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। ज्ञापन में निगम प्रशासन से मांग की गई है कि शहर के संवेदनशील स्थानों पर खुली नालियों को तत्काल ढंकने, क्षतिग्रस्त पुलियों की मरम्मत कराने और आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

देवभूमि संचालक समेत उसके दोस्तों ने किया चाकू से प्राणघातक हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

जमीन हिसाब किताब लेकर प्राणघातक हमला करने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत मोहन नगर पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया को शनिवार की शाम को विक्की सिंह, राजेश सिंह ने नरेंद्र सिंह को बायपास दुर्ग में स्थित देवभूमि बुलाया गया। जहां देवभूमि संचालक राजेश सिंह उर्फ बिहारी, अशोक सिंह, विक्की सिंह, विजय मेनन समेत अन्य मौजूद थे। जैसे ही नरेंद्र सिंह वहां पहुंचा विजय मेनन अपने पास रखे चाकू से नरेंद्र सिंह पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इस दौरान रूपेश, विनय छुड़ाने लगे तो आरोपियों ने इन पर भी लात घुसे और चाकू से वार करना शुरू कर दिया। घटना में विनय को बाया हाथ में चोट आई है। नरेंद्र को पसली,जांघ,भुजा समेत शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई है।चोट लगने से नरेंद्र जमीन पर गिर पड़ा। जिसे देख आरोपी राजेश, विक्की,विजय, अशोक समेत अन्य नरेंद्र को मेरा समझकर फरार हो गए। रूपेश और विनय ने मिलकर नरेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं स्थिति गंभीर होने पर रायपुर मेकाहारा अस्पताल रेफर किया गया है।

हत्या और शराब तस्कर है आरोपी पुलिस ने बताया को राजेश सिंह के उरला जमीन पर वर्ष 2016 में भारी मात्रा में अवैध शराब भी मिला था। इसके अलावा राजेश हत्या के एक मामले में जेल भी जा चुका है। इसके अलावा विजय मेनन भी बड़ा अपराधियों में पुलिस रिकॉर्ड में शामिल है। फिलहाल मामले में राजेश सिंह उर्फ बिहारी फरार है। बाकी सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में होने की जानकारी मिली है।

बीएसपी में सखी सहेली कार्यक्रम में महिलाओं को किया गया जागरूक

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल को सुरक्षित के साथ अधिक जागरूक बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। परियोजनाएं विभाग द्वारा सखी संवाद प्रोजेक्ट्स एक्सपेंशन कार्यालय में संवाद कार्यक्रम हुआ। मुख्य महाप्रबंधक उन्मेष भारद्वाज थे। कार्यक्रम में परियोजनाएं विभाग की महिला अधिकारी, महिला गैर-अधिशासी कर्मचारी तथा संविदा महिला कर्मियों सहित 30 महिलाओं ने भाग लिया। सहायक महाप्रबंधक जया राय व टीम ने कार्यस्थल पर संवाद और जागरूकता से जुड़े विषयों पर प्रस्तुति दी। वहीं जीएम राधिका श्रीनिवासन, नीलू भारद्वाज तथा बोन्या मुखर्जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पेशेवर विकास पर जानकारी दी। संविदा महिला कर्मियों को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए।

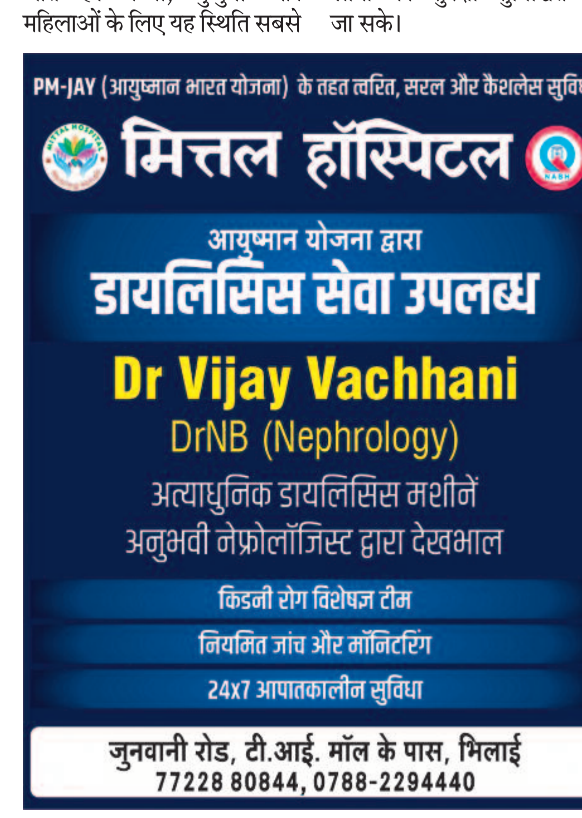

इंटक के अहम बैठक में सूची केंद्र को भेजने का निर्णय

इंटक यूनियन छोड़कर बीएमएस में जाने वाले प्रतिनिधियों को संगठन से किया निष्कासित, सर्वसम्मति से हुआ निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

स्टील इम्प्लाइज यूनियन (इंटक) की हुई बैठक में इंटक छोड़कर भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों को संगठन की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से निष्कासित जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

यूनियन के महासचिव संजय कुमार साहू ने कहा कि जिन लोगों की संगठन के प्रति आस्था नहीं है, उनके दूसरे संगठन में जाने से इंटक और अधिक मजबूत होगी। जिन प्रतिनिधियों की पहचान वर्षों तक इंटक यूनियन से बनी, वे व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण संगठन छोड़कर चले गए हैं। जब-जब कुछ लोग इंटक छोड़कर गए हैं, तब-तब इंटक पहले से अधिक मजबूत होकर उभरी है। उन्होंने कहा कि इंटक श्रमिकों के हितों के लिए संघर्ष करने वाली अग्रणी यूनियन है। बड़ी संख्या में युवा कर्मचारी इंटक से जुड़ रहे हैं और आगामी आईडी एक्ट चुनाव में इंटक यूनियन 51 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त कर नंबर-1 यूनियन बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

केंद्रीय इंटक को निष्कासितों की सूची भेजेंगे

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निष्कासित प्रतिनिधियों की सूची शीघ्र ही प्रदेश इंटक एवं केंद्रीय इंटक को भेजी जाएगी, ताकि संगठन के विभिन्न स्तरों पर उनके पदों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में इंटक यूनियन के पूरन वर्मा, जी.आर. सुमन, गिरिराज देशमुख, विश्वनाथ सिंह साहू, सुरेश श्याम कुँवर, जी.के. सूर्यवंशी, शिवशंकर सिंह, रेशम राठौर, सीपी वर्मा, एसबी सिंह, रमन मूर्ति, ताम्रध्वज सिन्हा, गुरुदेव साहू, राजकुमार, दीनानाथ सिंह सार्वा, विजय कुमार विश्वकर्मा, जयराम ध्रुव, डी.पी. खरे, गोविंद राठौर, विसेंट पटेरा, राजकुमार नायर, महेश साहू, संतोष ठाकुर, मनोज कुलदीप, आनंद खालरकर, राजेंद्र, गजेंद्र, अश्वनी राठौर, किशोर प्रधान एवं डी. शंकर खिलेंद्र ठाकुर आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

हार से ही खुलता है जीत का रास्ता...

लाइव इवेंट

सावन के सुरों सेमेलोडी मेकर्स ने बांधा समां, बारिश के गीतों पर झूमें श्रोता

भिलाई। बारिश की फुहार और सावन के गीतों ने भिलाई की संगीतमय शाम को खास बना दिया। सांगीतिक संस्था सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स द्वारा आर.के. म्यूजिक स्टूडियो, सेक्टर-7 में आयोजित बारिश के सुमधुर गीतों की एक शाम में समूह के कलाकारों और भिलाई आइडल-2026 के विजेताओं ने मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में सदाबहार हिंदी फिल्मी गीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुईं। शोमा कश्यप, तृप्ति साहू, मंजीता भारद्वाज, सुरुचि यादव और शिल्पा यादव ने मधुर और भावपूर्ण गायकी से सावन के गीतों की झड़ी लगा दी। उनकी प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने खूब सराहना की। वहीं नारायण शास्त्री, शांताराम, सुनील परदेशी, राजीव इस्सर और सुनील कश्यप के सुमधुर युगल गीतों ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा और रोमांच भर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद संगीत प्रेमियों की तालियों की गड़गड़ाहट से हॉल गूंज उठा।

कार्यक्रम का संचालन शिल्पा यादव ने अपनी आत्मीय शैली में किया, जिसने पूरे आयोजन को और आकर्षक बना दिया। सभी कलाकारों की लगन और संगीत के प्रति समर्पण ने इस संध्या को अविस्मरणीय बना दिया। इस संगीतमय शाम का फेसबुक लाइव प्रसारण भी किया गया। ऑनलाइन बड़ी संख्या में दर्शकों ने प्रसारण देखा और कलाकारों की खुलकर प्रशंसा की। ऑनलाइन श्रोताओं ने भी कलाकारों को शुभकामनाएं दीं।

समापन पर संस्था के संयोजक महेश कुमार विनोदिया ने सभी कलाकारों, दर्शकों, श्रोताओं और सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन संगीत साधकों को मंच देने के साथ-साथ संगीत संस्कृति को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर जगजीत सिंह भाटिया, जानकी प्रसाद सहित अनेक संगीत प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लाइव इवेंट

कॉलेज फेस्ट की थीम पर यादें की ताजा एंट्री गेम्स और अंताक्षरी में किया इंजाय

दुर्ग। जेसीआई दुर्ग-भिलाई का स्थापना दिवस अलग अंदाज में मनाया गया। संस्था ने इस वर्ष कॉलेज फेस्ट थीम रखकर सदस्यों को पुराने दिनों की यादों में पहुंचा दिया। अमित पार्क इंटरनेशनल भिलाई में आयोजित इस कार्यक्रम में 100 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही। पूरा हॉल कॉलेज कैंपस जैसा नजर आया। सदस्यों ने एंट्री गेम्स, पास्ट प्रेसिडेंट्स स्पेशल गेम्स और अंताक्षरी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलेज फेस्ट की थीम पर हुई अंताक्षरी आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें जेसी प्रखर-ट्विंकल पारख के रोचक संचालन ने सभी को कॉलेज जीवन की मधुर यादों से रूबरू करा दिया। संगठन के अध्यक्ष जेसी संतोष-रानू कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि स्थापना दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि आपसी रिश्तों को मजबूत करने और संगठनात्मक संस्कृति को सशक्त बनाने का अवसर भी है। मेंटोर पास्ट प्रेसिडेंट जेसी प्रणय-राखी महेश्वरी ने कहा कि ऐसे आयोजन मनोरंजन के साथ-साथ आत्मीयता, विश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। आईपीपी जेसी आलोक-रचना अग्रवाल की प्रेरणादायी उपस्थिति रही। वीपी इंचार्ज जेसी अंकित-विकिता मित्तल ने प्रभावशाली मंच संचालन के साथ पास्ट प्रेसिडेंट्स सम्मान समारोह को भी संचालित किया। आयोजन में डायरेक्टर इंचार्ज जेसी सुजय-रोशनी जसूजा और जेसी करण-स्वाति तिवारी की अहम भूमिका रही। प्रोग्राम डायरेक्टर्स जेसी गुरजीत-अमनदीप सिंह, जेसी अनुराग-अंजली अग्रवाल, जेसी नीरज-दीपिका तिवारी और जेसी अभिषेक-प्रिया यादव ने पंजीयन, गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का संचालन किया। समापन पर सचिव जेसी तोरण-स्वाति अटल ने सभी सदस्यों और आयोजन समिति का आभार जताते हुए कहा कि टीमवर्क से आयोजन में सभी में उत्साह दिखाई दिया।

● देवशयनी एकादशी पर शनिवार को मंदिरों और देवालयों में विधि-विधान से पूजा अर्चना

शुभ कार्यों में लगा विराम, श्रीहरि अगले चार माह योग निद्रा में इस बीच भोलेनाथ लगाएंगे बेड़ापार, 29 को गुरु पूर्णिमा और 30 से सावन

देवशयनी एकादशी शनिवार को मनाई गई। इसी के साथ चार महीने के लिए विवाह आदि मंगल कार्य थम गए। भगवान श्रीहरि विष्णु 118 दिनों के लिए योगनिद्रा पर चले गए। अब सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव संभालेंगे। यानी भक्तों का बेड़ापार अब भोलेबाबा लगाएंगे। 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी पर मंदिरों में पूरे दिन कार्यक्रम हुए। बालाजी मंदिर, गणेश मंदिर सेक्टर 5, लक्ष्मी नारायण मंदिर, राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों में अलग-अलग कार्यक्रम हुए। विधि-विधान से पूजा अर्चना और अनुष्ठान संपन्न कराए गए। एकादशी पर विशेष अभिषेक पूजन हुआ, महाआरती की गई। साथ ही भगवान को फल-मिठाइयों का महाभोग चढ़ाया गया। अब आगामी चार महीने तक मंदिरों में हरिनाम का संकीर्तन होगा।

भिलाई। शनिवार की सुबह ब्रह्ममुहूर्त में मंदिरों में विशेष अभिषेक-पूजन, महाभिषेक हुआ। साथ ही भगवान को नए वस्त्र पहनाए गए। भिलाई में हनुमान मंदिर सेक्टर-9, बालाजी मंदिर, शिव मंदिर पावर हाउस में विशेष आरती का आयोजन किया गया। चातुर्मास के लिए ट्विनसिटी में साधु-साध्वियों का आना शुरू हो गया है। शहर के विभिन्न जैन मंदिरों समेत अन्य पवित्र स्थानों पर इस दौरान उनका निवास होगा। 30 जुलाई से सावन शुरू हो रहा है। इसके साथ ही अक्टूबर तक तीज-त्योहार और उत्सवों का दौर चलता रहेगा। इस बार देवशयन काल 118 दिनों का होगा। 25 जुलाई को देव सो गए जो सीधे 20 नवंबर को जागेंगे। इस बार तीज-त्योहार, उत्सव पिछले साल से 15 दिन बाद आएंगे। सावन 30 जुलाई से शुरू होगा, जो 28 अगस्त तक रहेगा। इस दौरान शादी-ब्याह जैसे मांगलिक कार्यों पर पूर्णतः विराम लगा रहेगा।

आने वाले चार महीने मनाए जाएंगे तीज-त्योहार

आने वाले चार महीने में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा, 30 से सावन शुरू, 12 अगस्त को हरियाली आमावस्या, हरेली, 17 को नागपंचमी और 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाई जाएगी। इसी तरह 2 सितंबर को कमरछठ, 4 को जन्माष्टमी, 10 को पोला, 14 को हरितालिका तीज, गणेश चतुर्थी, 22 को डोल ग्यारस, 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी और 26 सितंबर से पितृ पक्ष शुरू होगा। 10 अक्टूबर को पितृ मोक्ष अमावस्या और 11 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू होगी, 18 अक्टूबर को दुर्गाष्टमी का व्रत होगा। 20 अक्टूबर को दशहरा, 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा, 29 अक्टूबर को करवा चौथ मनाया जायेगा। 6 नवंबर को धनतेरस, 7 नवंबर को नरक चौदस और 8 नवंबर को दीपावली मनाएंगे। 10 नंवबंर को गोवर्धन पूजा, 11 को भैया दूज, 15 नवंबर को छठ पूजा, 18 नवंबर को आंवला नवमी मनाई जाएगी। 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी, 24 नवंबर को गुरुनानक देव जयंती मनाई जाएगी।

श्रीहरि चिर निद्रा में, लेकिन व्रत - त्यौहार का चलेगा सिलसिला

श्री हरि भगवान विष्णु सृष्टि का संचालन कर भगवान भोलेनाथ को सौंप कर 118 दिन के लिए योग निद्रा में जाकर विश्राम करेंगे। 20 नवंबर देवउठनी एकादशी तक सृष्टि संचालन का कार्यभार भगवान शिव ही संभालेगे। इस दौरान कोई मांगलिक कार्य नहीं होगे। हालांकि व्रत त्यौहार जरूर मनाए जाएंगे। इस संबंध में आचार्य संदीप तिवारी ने बताया कि देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास शुरू होता है। देव शयनी एकादशी के दिन को लेकर कहा जाता है कि भगवान विष्णु 4 महीने की योग निद्रा में चले जाते हैं। इन चर महीनों में सृष्टि की भाग दौड़ भगवान शिव के हाथ में होती है और चूंकि भगवान शिव इस प्रकृति के बीज भी हैं। ऐसे में प्रकृति में चार माह में अपने यौवन पर होती है। इसलिए देवशयनी एकादशी से प्रकृति के सरे नियंत्रण भगवान शिव के हाथ में होते हैं। देवशयनी एकादशी हिंदू परंपरा में एक श्रेष्ठ पर्व है। हालांकि इन चर महीने में किसी भी तरह के मंगलिक कार्य नहीं होते। जैन धर्मावलंबी भी इस चातुर्मास को मानते है और इन चार महीने में उनके मुनि एक स्थान पर रुक कर आध्यात्म के मार्ग को प्रबल करते हैं।

नवबंर और दिसंबर में शादियों के मुहूर्त ज्यादा

पंडितों और ज्योतिषाचायों के अनुसार अब अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में विवाह का कोई शुभ दिन नहीं है। इसके बाद 20 नवंबर को देव उठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चिर निद्रा से जागेंगे, जिसके बाद शुभ कार्यों की शुरुआत हो जायेगी। इस साल कम मुहूर्त के कारण शादी के शुभ मुहूर्त वाले दिनों में जरूरी इंतजाम करने के लिए भी वर-वधु पक्ष को मशक्कत करनी पड़ सकती है।

शुभ कार्य 20 नवंबर से होंगे शुरू

रामभद्र सेवा मंडल के पंडित सदीप तिवारी ने बताया कि प्रबोधिनी एकादशी यानी देवउठनी एकादशी नवंबर को है, इसके बाद शादी-ब्याह के लग्न शुरू होंगे। नवंबर में 20,21,22,25 और 26 मुहूर्त है। दिसंबर में 1,2,3, 4, 5,10,11,12 और 13 को लग्न है।

6 माह तक त्योहार 10 दिन पहले और अब 18 दिन की देरी से

यूं तो हर साल त्योहारों की तिथियों में बदलाव होता है, लेकिन 2026 हिंदी पंचांग के महीनों के हिसाब से अधिकमास वाला साल और दो ज्येष्ठ माह होने से यह साल 13 महीने का माना जा रहा। इस कारण शुरू के 6 माह में वर्ष 2025 की तुलना में अधिकांश त्योहार 10 दिन पहले और बाद के 6 माह में होने वाले त्योहार 16 से 18 दिन तक की देरी से आ रहे है। इस बार सावन 30 जुलाई से शुरु होगा जो 2025 में 11 जुलाई से और 2025 में दीपावली 20 अक्टूबर को थी, जो अब इस साल 2026 में 8 नवंबर को यानी 17 दिन की देरी से आएगी। त्योहारों की तिथियों को देखने के बाद ही परीक्षाओं के टाइम-टेबल तैयार होते हैं।

पर्वों की तिथियों में आ जाता है अंतर

आचार्य संदीप तिवारी के अनुसार हिंदू त्योहार चंद्रमा की स्थिति व उसकी गति पर आधारित होते हैं और चंद्र वर्ष 354 दिन का होता है, जबकि सौर वर्ष के 365 दिन होते हैं। इस अंतर को हटाने के लिए हर तीन साल में अधिकमास होता है, जिस कारण पर्वों की तिथियों में पिछले सालों की तुलना में काफी दिनों का अंतर आ जाता है।

महाप्रभु को श्रीमंदिर में नही मिला प्रवेश, रथ पर ही हो रही पूजा और लगा रहे भोग, स्वर्ण वेश में दिए दर्शन

भिलाई। जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा महोत्सव की वापसी के बाद महाप्रभु को श्रीमंदिर के भीतर आने नही मिला। बिना बताए मौसी के घर जाने के लिए महाप्रभु को रुष्ठ लक्ष्मी के गुस्से का सामना करना पड़ा और वे तीन दिन रथ पर ही रहेंगे। वहीं उनकी पूजा,आरती और श्रृंगार किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को महाप्रभु ने जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर 4 और सेक्टर 6 में स्वर्ण वेश में दर्शन दिए ।

27 जुलाई को होगा नीलाद्री विजय, महाप्रभु करेंगे मंदिर प्रवेश

वर्तमान में महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी 27 जुलाई 6 बजे शाम तक रथ पर रहेंगे। 27 जुलाई को शाम 7 बजे महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी मंदिर प्रवेश करेंगे जिसे नीलाद्री विजय के रूप में मनाया जायेगा।

सेक्टर 6 मंदिर में सुबह भगवान बलभद्र, माता सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का विशेष स्नान कराया गया। इसके बाद उन्हें सोने से बने हाथ, पैर, पंजा, मुकुट और सहस्त्र आभूषण धारण कराकर स्वर्ण वेश में सजाया गया। सुगंधित फूलों की मालाएं और सुगंधित पुष्प अर्पित किए गए। पूरा रथ भक्ति और सुगंध से सराबोर हो उठा । गोपाल बल्लभ भोग में आम, केला, पका कटहल, सेव, सपुरी, अनानास आदि फल अर्पित किए गए। मध्याह्न भोजन में कोरा, बलभ, मालपुआ, खई, गजा, काकरा और मंडुआ का भोग लगाया गया। भक्तों में महाप्रसाद वितरित किया गया, जिसे सभी ने आनंद के साथ ग्रहण किया।

विद्यार्थियों को अनुशासन और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने दिलाई शपथ

भिलाई। शकुन्तला विद्यालय में पद अलंकरण और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न दायित्वों के लिए चयनित छात्र-छात्राओं को बैज पहनाकर नेतृत्व की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय सदनों की चतुरंगी टुकड़ियों के मार्च पास्ट से हुई। इसके बाद शिवाजी, टैगोर, अशोका और रमन हाउस के कैप्टनों को बैज पहनाकर सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन की जिम्मेदारी दी गई। शकुन्तला विद्यालय ग्रुप ऑफ स्कूल्स के डायरेक्टर संजय ओझा और प्राचार्य विपिन कुमार ने शकुन्तला विद्यालय सीबीएसई के कक्षा 12वीं के छात्र आयुष चंद्रवंशी को हेड बॉय और प्रकृति साहू को हेड गर्ल का बैज पहनाया। वहीं शकुन्तला विद्यालय क्रमांक-2 के नील कुमार को हेड बॉय और माही बंजारा को हेड गर्ल बनाया गया। इसके अलावा कक्षा 8वीं के तनिष्क लालवानी और पलक सिंह को जूनियर कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी गई। समारोह में सभी कक्षाओं के क्लास कैप्टन और वाइस कैप्टन को भी उनके कक्षा शिक्षकों ने बैज पहनाकर सम्मानित किया।

महिला मंडल की महिलाएं केसरिया साड़ी में सर पर मंगल कलश लेकर चलीं आगे

कार्नर न्यूज

जयकारों के साथ हुआ मुनि संघ का मंगल प्रवेश, चांदी के कलश से किया पद प्रक्षालन, आचार्य विशुद्ध सागर के 4 मुनियों का आगमन

भिलाई। सावन की भक्ति फुहार के बीच वैशाली नगर धर्ममय हो उठा। आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर महाराज के चार मुनि संघ का भव्य अगवानी के साथ मंगल प्रवेश हुआ। नेहरू नगर से पैदल विहार करते हुए आए मुनि संघ का सैकड़ों भक्तों ने पद प्रक्षालन कर स्वागत किया। इस चातुर्मास प्रवेश में परम पूज्य 108 श्री आराध्य सागर महाराज जी, परम पूज्य 108 साक्षय सागर महाराज, परम पूज्य 108 नवृत्त सागर महाराज और परम पूज्य 105 क्षुतक शामिल थे। मार्ग भर जैन ध्वज, बैंड-बाजे और अहिंसा परमो धर्म के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। vvसकल जैन दिगंबर जैन समाज भिलाई-दुर्ग के सैकड़ों भक्त और युवा इस अवसर के साक्षी बने। वैशाली नगर के अनेक मंदिरों की महिला मंडल की महिलाएं केसरिया साड़ी में सर पर मंगल कलश लेकर आगे-आगे चलीं। चांदी के समान छतरी लगे रथ में इंद्र सवार थे। स्थान-स्थान पर भक्तों ने मुनि श्री जी का अभिवादन किया। वैशाली नगर दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश के बाद मंच पर चांदी के कलश से मुनि श्री जी का पद प्रक्षालन किया गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने श्रीफल अर्पण कर नमोस्तु करते हुए आशीर्वाद लिया और अमृत वचनों का धर्म लाभ लिया। इस अवसर पर कजोडमल जैन, अरविंद जैन, प्रदीप जैन बाकलीवाल, सनत कुमार जैन, सुनील जैन, मुकेश जैन, कमलेश जैन, संजय चतुर आदि उपस्थित थे। सुपेला में भी प्रदीप जैन बाकलीवाल, मुकेश जैन, सचिन जैन, संजय जैन, जितेंद्र जैन, महावीर जैन सहित भक्तों ने मुनि श्री की अगवानी कर आरती की। कार्यक्रम का संचालन अरविंद जैन ने किया।

चातुर्मास के लिए मुनि श्री आराध्य सागर का नगर आगमन

दुर्ग। आचार्य विशुद्ध सागर के शिष्य आराध्य सागर के साथ मुनि साक्ष्य सागर, निवृत्त सागर एवं क्षुल्लक श्रेय सागर का सुबह 8:30 बजे दुर्ग में प्रवेश हुआ। आराध्य सागर संघ का यह प्रथम चातुर्मास होने जा रहा है। मंगल प्रवेश पटेल चौक से हुआ। विशाल शोभायात्रा के रूप में श्रद्धालु पटेल चौक से बड़े जैन मंदिर की ओर रवाना हुए। दिगंबर जैन महिला मंडल ने मंगल कलश सिर पर रखकर अगवानी की। मुनि संघ द्वारा दिगंबर जैन मंदिर में समस्त वेदियों के दर्शन किए गए। इसके उपरांत मुनि संघ सुसज्जित खंडेलवाल भवन में विराजमान हुआ। खंडेलवाल भवन को शिखरजी की थीम पर सजाया गया है।

सिटी इवेंट

रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर जागरुकता व प्रोत्साहन अभियान

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में भू-जल स्तर को संरक्षित एवं बढ़ाने के उद्देश्य से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर लगातार जागरूकता एवं प्रोत्साहन अभियान चलाया जा रहा है। निगम द्वारा भवन एवं भूमि मालिकों से अपने परिसरों में वर्षाजल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील की जा रही है, ताकि आने वाले समय में जल संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। निगम अधिकारियों ने बताया कि लगातार गिरते भू-जल स्तर को संतुलित बनाए रखने के लिए वर्षा जल का संचयन सबसे प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय है। वर्षा के पानी को सीधे जमीन में पहुंचाकर जलभृत को पुनर्भरित किया जा सकता है, जिससे भू-जल की उपलब्धता में वृद्धि होती है और प्राकृतिक जल स्रोत लंबे समय तक सुरक्षित बने रहते हैं। नगर निगम के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को सरकारी भवनों, निजी संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक संस्थाओं तथा आवासीय परिसरों में आसानी से स्थापित किया जा सकता है। यह प्रणाली अपेक्षाकृत कम लागत वाली, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक है, जो भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेषज्ञों के अनुसार वर्षा जल स्वाभाविक रूप से अपेक्षाकृत स्वच्छ एवं बैक्टीरिया रहित होता है, इसलिए इसके उपयोग के लिए अत्यधिक जल शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके माध्यम से भू-जल का पुनर्भरण होने से सूखे की स्थिति का प्रभाव कम होता है, नदियों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के प्रवाह को बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा जल प्रदूषण की समस्या में भी कमी आती है। निगम ने बताया कि सतही जल की तुलना में भू-जल स्वास्थ्य की दृष्टि से अधिक सुरक्षित माना जाता है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का वाष्पीकरण भी कम होता है, जिससे जल का संरक्षण बेहतर तरीके से हो पाता है और जलभृत की उत्पादक क्षमता में भी वृद्धि होती है। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से अपील की है कि वे वर्षा ऋतु का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों, भवनों और संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करें। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही जल संरक्षण का यह अभियान सफल होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त भू-जल संसाधन सुरक्षित रखे जा सकेंगे।

एजुकेशन इवेंट

गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान संस्कार और राष्ट्र निर्माण के संदेश

भिलाई। भारत विकास परिषद की भिलाई मेन एवं मिनीमाता इकाई के संयुक्त तत्वावधान में ज्योतिबा फुले मिडिल स्कूल में गुरु वंदन, छात्र अभिनंदन" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गुरु के प्रति सम्मान, अच्छे संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य अरुण साहू, संरक्षक नीलकमल सोनी सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा भारत विकास परिषद के प्रांतीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी शिवनारायण मोदी, अनिल कुमार डागा, वीएन पाण्डेय, डॉ. एसपी गोस्वामी, अजय शुक्ला, कार्यक्रम संयोजिका नीलिमा मिश्रा, अध्यक्षा मधु गोस्वामी, सचिव पुष्पा पाण्डेय तथा गीता मोदी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। भारत विकास परिषद की ओर से छात्रों को भारत को जानो और छत्तीसगढ़ को जानो पुस्तिकाएं तथा चॉकलेट वितरित की गईं। छात्रों के साथ संवाद करते हुए नीलिमा मिश्रा, मधु गोस्वामी और अनिल कुमार डागा ने शिक्षा के महत्व, उज्ज्वल भविष्य, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रेरक विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और भारत माता की जय के उद्घोष के साथ हुआ।

- भारत विकास परिषद की भिलाई मेन और मिनीमाता इकाई का संयुक्त आयोजन

एलएलबी फाइनल की प्रावीण्य सूची में प्रज्ञा को मिला प्रथम स्थान

भिलाई। ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी देवकर, साजा की होनहार छात्रा प्रज्ञा अग्रवाल ने इस वर्ष एलएलबी फाइनल की प्राविण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रज्ञा अग्रवाल, दीक्षा कॉलेज रायपुर में अध्यनरत हैं। उनके पिता गणेश अग्रवाल कृषक हैं। प्रज्ञा की इस सफलता पर अग्रवाल समाज ने हर्ष जताया है और उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के लिए 4 बालक और 4 बालिकाओं का होगा चयन

हार से ही खुलता है जीत का रास्ता, 19 जिलों से आए 142 प्रतिभागी लगा रहे दांव-पेंच, 8 चक्रों में मुकाबला

भिलाई। बुद्धि और धैर्य की सबसे बड़ी परीक्षा शुरू हो गई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा इस्पात नगरी भिलाई के सेक्टर-6 स्थित जैन भवन में छत्तीसगढ़ स्टेट सब-जूनियर फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन छत्तीसगढ़ राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय ने शतरंज की पहली चाल चलकर किया। इस अवसर पर प्रदेश शतरंज संघ के कोषाध्यक्ष प्रदीप दास ने अध्यक्षता की। मंच पर जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन, मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर अनीस अंसारी, सहायक निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर शुभम बसोने और फिडे आर्बिटर अनिल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

हार से सीखो, जीत खुद आएगी- राकेश पाण्डेय

मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में हार और जीत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। खिलाड़ी को हार से हताश होने के बजाय अपनी कमियों से सीखना चाहिए। वही सीख भविष्य में बड़ी जीत का आधार बनती है। उन्होंने इंडियन आइडल के फाइनलिस्ट तनिष्क शुक्ला की प्रेरक कहानी भी साझा की। उन्होंने बताया कि जब तनिष्क मानसिक अवसाद से गुजर रहे थे, तब शतरंज ने ही उन्हें इस तनाव से मुक्ति दिलाई। शतरंज ने उनकी एकाग्रता लौटाई और मानसिक ऊर्जा दी, जिसके बल पर वे संगीत के राष्ट्रीय मंच पर शीर्ष तक पहुंचे। श्री पाण्डेय ने आयोजन की सराहना करते हुए प्रदेश भर से आए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में एकाग्रता, धैर्य और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश संघ के कोषाध्यक्ष प्रदीप दास ने सभी बाल खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा कि शतरंज जैसे बौद्धिक खेल से बच्चों का मानसिक विकास तेजी से होता है। संघ सदैव प्रदेश की चेस प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहेगा।

टॉपर अंशुल शर्मा का विशेष सम्मान

समारोह के दौरान लोरमी के प्रतिभावान खिलाड़ी अंशुल शर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अंशुल ने 10वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान हासिल किया है। अतिथियों ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि अंशुल ने साबित किया है कि सही समय प्रबंधन और एकाग्रता से खेल और पढ़ाई दोनों में ही सर्वोच्च शिखर छुआ जा सकता है। आयोजकों ने कहा कि यह चैंपियनशिप प्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ियों के बौद्धिक विकास और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम का संचालन जिला संघ के सचिव तुलसी सोनी ने किया और आभार अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

19 जिलों से आए 142 प्रतिभागी, 8 चक्रों में मुकाबला

जिला संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत और सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के 19 जिलों से 142 बालक-बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता 8 चक्रों में खेली जाएगी और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार संचालित की जा रही है।स्पर्धा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 4 बालक और 4 बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। यानी यह चैंपियनशिप प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का पहला कदम है। निर्णायक मंडल में देश के जाने-माने आर्बिटर्स शामिल हैं। इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन, मुख्य आर्बिटर अनीश अंसारी, उप-मुख्य आर्बिटर शुभम बसोने और फिडे आर्बिटर अनिल शर्मा पूरी प्रतियोगिता को पारदर्शी और नियमों के अनुसार संचालित कर रहे हैं। अतिथियों का स्वागत फिडे आर्बिटर सुरेश होता, ममता देवांगन, ओमप्रकाश बंदे, दिव्यांशु उपाध्याय और सुरेन्द्र बल्लेवार ने पुष्प गुच्छ देकर किया।

आयोजन...

शहीद कौशल का बलिदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा, दी श्रद्धांजलि

दुर्ग। कारगिल विजय के अमर योद्धा शहीद कौशल यादव की 26वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भिलाई के हुडको स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि शहीद कौशल यादव का अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान देश की युवा पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। राष्ट्र की रक्षा के लिए उन्होंने जो सर्वोच्च बलिदान दिया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। देश उनके अमूल्य योगदान का हमेशा ऋणी रहेगा। श्रद्धांजलि के बाद मंत्री श्री यादव ने शहीद कौशल यादव के परिजनों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और संवेदनाएं व्यक्त कीं। मंत्री ने कहा कि शहीदों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है और सरकार उनके साथ सदैव खड़ी है। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधिग, छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्य, एनसीसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर कारगिल के वीर सपूत को श्रद्धासुमन अर्पित किए। देशभक्ति के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। शहीद कौशल यादव ने कारगिल युद्ध में देश की रक्षा के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया था। आज भी उनका नाम छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों में सम्मान से लिया जाता है।

शहीद कौशल यादव का बलिदान देशवासियों के लिए रहेगा प्रेरणास्त्रोत

भिलाई। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद कौशल यादव नगर, हुड़को में शहीद कौशल यादव वीर चक्र का 27वां स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। विधायक ललित चंद्राकर ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर चक्र से सम्मानित शहीद कौशल यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, शहीद परिवार के सदस्य, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर ललित चंद्राकर ने कहा कि कारगिल युद्ध में शहीद कौशल यादव ने अपने अदम्य साहस, वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनका सर्वोच्च बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा और आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रसेवा और देशभक्ति का संकल्प जागृत करता रहेगा। उन्होंने कहा हम सभी शहीद कौशल यादव और उनके परिवार के सदैव ऋणी रहेंगे। राष्ट्र उनके अमूल्य बलिदान को कभी भुला नहीं सकता। कारगिल के वीरों की शहादत हमें यह याद दिलाती है कि देश की एकता और अखंडता के लिए हमें सदैव सजग रहना है।

भिलाई विद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा बीएसपी में पढ़ने वाले कक्षा आठवीं के मेधावी छात्र-छात्राओं का भिलाई विद्यालय, सेक्टर 2 के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एबी श्रीनिवास महाप्रबंधक प्रभारी और विशिष्ट अतिथि शिखा दुबे, महाप्रबंधक थीं। विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य सुमिता सरकार, रूबी बर्मन रॉय, विजय सिंह पवार, उर्वशी साहू व शाला प्रमुख उपस्थित थे। मेधावी छात्रों द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भिलाई विद्यालय के बच्चों के स्वागत गीत के बाद श्रीमती दुबे ने अपने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि ने कहा बच्चो की प्रतिभा ने यह साबित कर दिया कि इन्होंने लक्ष्य बनाकर बहुत मेहनत और लगन से अध्ययन किया है उसी का यह परिणाम है कि आज उन्हें उनकी प्रतिभा का परितोषिक मिला है। इस प्रकार के कार्यक्रम जीवन में ऊँचा मुकाम हासिल करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहते हैं। बीएसपी स्कूलों से 26 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सजिथा राजेश ने किया। सजीथा राजेश ने कार्यक्रम का संचालन किया।

पेंशनर समाज गुण्डरदेही की बैठक आज

भिलाई/अंडा। छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज तहसील शाखा गुंडरदेही जिला बालोद की बैठक 26 जुलाई रविवार को दोपहर 12 बजे से अटल चौक अंडा चंद्राकर भवन में आयोजित की गई है। इस बैठक में गुंडरदेही तहसील के सभी पदाधिकारी एवं आजीवन अध्यक्ष हरदेव लाल दिल्लीबार उपस्थित रहकर पेंशनरों को संबोधित करेंगे एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

द पोस्टमास्टर की प्रस्तुति ने दर्शकों की बटोरीं वाहवाही

टैगोर की अमर कहानी का मंचन बना संवेदनाओं और रंग-सौंदर्य का उत्सव

कार्नर न्यूज

भिलाई। कला साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ कवच और गीतवितान कला केंद्र रिसाली के संयुक्त तत्वावधान में ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रगति भवन, सिविक सेंटर भिलाई में कोलकाता की प्रतिष्ठित रंग संस्था थिएटर शाइन द्वारा गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की कालजयी कहानी द पोस्टमास्टर का मंचन ऐसा सांस्कृतिक आयोजन बन गया, जिसने दर्शकों को अंत तक भाव-विभोर बनाए रखा। निर्देशक सुवोजित बंद्योपाध्याय के सृजनात्मक निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक ने अभिनय, संगीत, प्रकाश, दृश्य शिल्प और भावाभिव्यक्ति के अद्भुत सामंजस्य से यह सिद्ध कर दिया कि सशक्त रंगमंच भव्य संसाधनों का नहीं, बल्कि गहरी संवेदना और कल्पनाशील प्रस्तुति का नाम है।

कलाकारों की देहभाषा ने दृश्य को बनाया जीवंत

नाटक की शुरुआत से ही कलाकारों ने ऐसा वातावरण रचा कि दर्शक स्वयं को बंगाल के शांत ग्रामीण परिवेश में महसूस करने लगे। सीमित मंच सज्जा के बावजूद प्रकाश, पार्श्व संगीत, मौन और कलाकारों की प्रभावशाली देहभाषा ने हर दृश्य को जीवंत बना दिया। कई प्रसंग ऐसे रहे, जहाँ बिना संवाद के ही भावनाएं सीधे दर्शकों के दिलों तक पहुंच गईं। निर्देशक सुवोजित बंदोपाध्याय ने टैगोर की मूल संवेदना को अक्षुण्ण रखते हुए उसे आधुनिक रंगभाषा में रूपायित किया। पोस्टमास्टर और रतन के बीच आत्मीयता, अपनत्व और मानवीय करुणा के रिश्ते को कलाकारों ने इतनी सहजता से निभाया कि पूरा सभागार उनकी भावनात्मक यात्रा का सहभागी बन गया। समानांतर मंच-संयोजन, प्रभावी कथावाचन, जीवंत संगीत और चित्रात्मक दृश्य-रचना ने पूरी प्रस्तुति को मानो एक गतिशील चित्रकाव्य में बदल दिया।

दर्शकों में रहा उत्साह

दर्शकों का उत्साह इतना अभूतपूर्व रहा कि पहला शो शुरू होने से पहले ही सभागार पूरी तरह हाउसफुल हो गया। बड़ी संख्या में रंगप्रेमी सीट नहीं मिलने के कारण बाहर ही रह गए। दर्शकों की लगातार मांग और नाटक देखने की तीव्र इच्छा को देखते हुए आयोजकों ने कलाकारों की सहमति से पहले शो की समाप्ति के तुरंत बाद बैक-टू-बैक दूसरे शो के मंचन का निर्णय लिया। लगातार दो प्रस्तुतियों में कलाकारों ने समान ऊर्जा, ताजगी और संवेदनशीलता के साथ अभिनय कर दर्शकों की भरपूर सराहना अर्जित की। किसी गंभीर साहित्यिक नाटक के लिए दर्शकों के आग्रह पर एक ही दिन लगातार दो शो का मंचन भिलाई के रंगमंचीय की उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में नरेंद्र कुमार बंछोर, परविंदर सिंह, रजनी सिन्हा, मिथुन दास, शक्तिपद चक्रवर्ती अध्यक्ष, कला साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़–कवच, भूपेंद्र कुलदीप कुलसचिव, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, डॉ. रमेश कुमार सोनवणे, डॉ. श्रद्धा मिश्रा, अमित घोष. चंद्रा बैनर्जी, जयप्रकाश नायर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रायपुर, राजनांदगांव और आसपास के शहरों से आए रंगकर्मियों, साहित्य प्रेमियों तथा कला-रसिकों की उपस्थिति रही।

हेल्थ टिप्स

कुछ भी खाने के बाद आती है नींद और घेर लेता है आलस तो करें ये उपाय

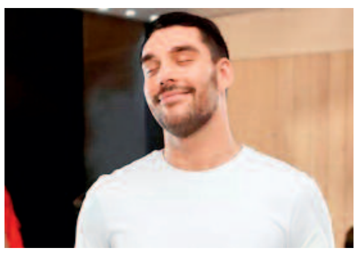

बहुत से लोगों की हॉबी होती है देर तक सोना। शायद ही किसी का यह जवाब हो कि मुझे सोना अच्छा नहीं लगता। हां, यह हो सकता है किसी को सुबह देर तक सोना पसंद हो, किसी को दोपहर में तो किसी को रात में जल्दी..! 8 घंटे से ज्यादा सोने / नींद लेने के कई फायदे होते हैं। लेकिन ये सिर्फ रात में डीप स्लीप लेने पर ही होते हैं। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए गहरी नींद जरूरी है। यदि किसी को नींद आने में परेशानी होती है तो कुछ एक्सरसाइज से यह परेशानी दूर की जा सकती है।

अनिद्रा/इंसोम्निया की समस्या को योगासन एवं घरेलू उपायों से दूर किया जा सकता है। ऑफिस जॉब करने वाले अधिकतर लोगों को दोपहर का भोजन करने के बाद आलस आने लगता है। खाने के बाद नींद आना डाइजेशन प्रोसेस के दौरान केमिकल रासायनिक चेंज के लिए शरीर की प्रक्रिया है। यह सामान्य प्रक्रिया है और हर किसी के साथ ऐसा होता है। लेकिन यदि आपको हर बार खाने के बाद नींद आती है तो चिंता का विषय हो सकता है। जिसे नींद आती है, उसका काम में मन नहीं लगेगा और डेली रूटीन भी प्रभावित हो सकता है। खाने के बाद आलस आने का कारण और उसे दूर करने के उपाय आपको जानना चाहिए। इन्हें फॉलो करके आप भी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

पाचन चक्र

बॉडी को काम करने के लिए एनर्जी की

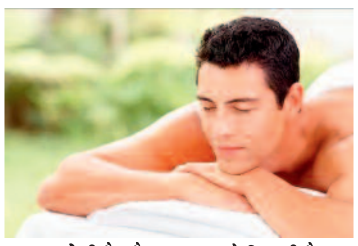

जरूरत होती है और यह फूड से मिलती है। जब आप कुछ खाते हैं तो यह डाइजेस्टिव सिस्टम में पहुंचते ही ग्लूकोज यानी एनर्जी में ब्रेक हो जाता है। साथ ही मैक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे प्रोटीन शरीर को कैलोरी यानी एनर्जी देता है। ऐसे में फूड को एनर्जी में कन्वर्ट करने के लिए डाइजेस्टिव सिस्टम विभिन्न रिस्पांसेज को ट्रिगर करता है। इस प्रोसेस में पेट भरा हुआ महसूस कराने वाले हार्मोन जैसे, कोलेलिस्टोकिनिन , ग्लूकाजन और एमाइलिन रिलीज होते हैं। ये हार्मोन माइंड में झपकी के सिग्नल पैदा करते हैं और आलस या नींद का कारण बनते हैं।

आपकी डाइट

फूड डाइजेस्ट होने का तरीका एक ही होता है लेकिन कुछ फूड बॉडी को समान रूप से इफेक्ट नहीं करते। पालक,सोया ,अंडे ,पनीर ,टोफू और मछली फूड नॉर्मल से अधिक नींद दिलाते हैं। सेरोटोनिन बनाने के लिए बॉडी ट्रिप्टोफैन का यूज करती है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो नींद को रेग्युलेट करने में हेल्प करता है। इसका लेवल बढ़ने पर निश्चित ही आपको नींद आएगी। यानी जिन फूड में ट्रिप्टोफैन अधिक होगा वो सेरोटोनिन बढ़ाएंगे, जिससे नींद अधिक आएगी। ट्रिप्टोफैन अमीनो एसिड हाई प्रोटीन वाले फूड्स में पाया जाता है। इसलिए दिन में अधिक प्रोटीन या ट्रिप्टोफैन में हाई फूड्स नींद आने का कारण बन सकते हैं। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के अनुसार, एक वयस्क के लिए प्रतिदिन ट्रिप्टोफैन की मात्रा 5 मिलीग्राम/1 किलोग्राम बॉडी वेट रखी गई है।

अधूरी नींद

जाहिर तौर पर हर किसी को 7-8 घंटे की

गहरी नींद की जरूरत होती है। यदि रात में नींद पूरी नहीं होती तो सुबह नाश्ता करने या लंच करने के बाद आपको नींद जरूर आएगी। मायो क्लीनिक की रिपोर्ट के मुताबिक नियमित नींद करने, स्ट्रेस दूर करने के लिए एक्सरसाइज जरूरी मानी गई है। यदि आप रात में लेट सोते हैं और सुबह जल्दी उठते हैं तो यह भी दिन में नींद आने का कारण बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि रात में 7-8 घंटे की गहरी नींद लें।

फिजिकल एक्टिविटी

रात में बेहतर नींद लेने में मदद करने के साथ ही एक्सरसाइज दिन में एनर्जेटिक और अलर्ट रखने में भी मदद करती है। कई स्टडीज में पाया गया है कि रेग्युलर एक्सरसाइज से एनर्जी बढ़ाने और थकान को कम करने में मदद मिलती है। आप यदि कोई भी फिजिकल एक्टिविटी नहीं करते तो जाहिर है आपको दिन में आलस आएगा।

चिकित्सक ने बताए डायबिटीज रोगियों के लिए बरते जाने वाली सावधानी

डायबिटीज में हीलिंग सिस्टम होता है प्रभावित घाव भरने में देरी जैसे लक्षण को लें गंभीरता से

डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों के ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है। पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है?

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है, जिसका खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग सभी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज की समस्या रही है, उन्हें विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। डायबिटीज यानी ब्लड शुगर बढ़े रहने की स्थिति शरीर के अंगों को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। इससे समय के साथ हृदय रोग, किडनी की बीमारी, आंखों और तंत्रिकाओं की समस्या हो सकती है। चूंकि डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों को ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है। पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है? आइए इस बारे में जानते हैं।

डायबिटीज में घाव भरने में लगता है ज्यादा समय

जब शरीर में किसी भी तरह का

कट, खरोंच या घाव होता है, तो हमारा शरीर तेजी से उस घाव को भरने और घाव को संक्रमण से बचाने में लग जाता है। लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ये काम काफी कठिन रहता है। इतना ही नहीं कई बार मामूली सा घाव भी ठीक होने में महीनों तक का समय लग सकता है और कुछ स्थितियों में ये गंभीर संक्रमण का रूप भी ले लेता है। यहां यह समझना जरूरी है कि डायबिटीज में घाव भरने में इतना समय क्यों लगता है? इसके पीछे क्या कारण हैं? डॉक्टर ने इसे आसान भाषा में समझाया है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

एम्स के वरिष्ठ डायबेटोलॉजिस्ट डॉ अल्तमश शेख बताते हैं, डायबिटीज रोगियों में घाव को ठीक होने में अधिक समय लगना बहुत आम है। इसके लिए कई कारणों को जिम्मेदार माना जाता रहा है। पहला कारण डायबिटीज की स्थिति में खून में ग्लूकोज की मात्रा काफी बढ़ जाती है। हाई ब्लड

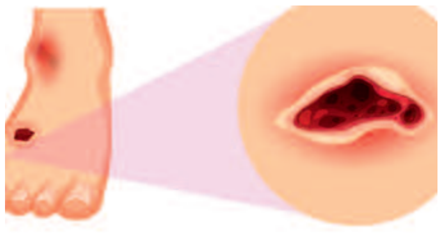

शुगर, घाव भरने की प्राकृतिक प्रक्रिया को कई तरह से प्रभावित कर सकती है। यह सफेद रक्त कोशिकाओं की कार्यक्षमता को कमजोर कर देती है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है और संक्रमण के कारण घाव जल्दी नहीं ठीक हो पाते।

डायबिटीज के कारण शरीर पर होने वाला असर

डॉ शेख बताते हैं, घावों को ठीक होने में अधिक समय लगने और संक्रमण बढ़ने का एक कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने को माना जाता है। कमजोर इम्यूनिटी के कारण घावों पर बैक्टीरिया और फंगस को पनपने का मौका मिल जाता है, जिसके कारण कट पर संक्रमण होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा डायबिटीज की स्थिति शरीर की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान

पहुंचाने लगती है। इससे उस हिस्से तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है जहां घाव है। इससे घाव की जगह नई कोशिकाओं का निर्माण धीमा हो जाता है, जिसके कारण घावों को ठीक होने में सामान्य से अधिक समय लग सकता है। चूंकि घाव ठीक होने में अधिक समय लग रहा होता है, इसलिए वहां पर संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

डायबिटीज के कारण सफेद रक्त कोशिकाओं की घट जाती है क्षमता

डायबिटीज और इसके कारण होने वाली समस्याओं के बारे में जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन (2019) के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों में सफेद रक्त कोशिकाओं की प्रभाविकता 40-50% तक घट जाती है, संक्रमण बढ़ने का ये प्रमुख कारण माना जाता रहा है। डायबिटीज के मरीजों में डायबिटिक फुट नामक समस्या का खतरा अधिक रहता है। ये स्थिति में पैरों में अल्सर बनने लगता है जिसकी गंभीर स्थिति में लगभग 15% मामलों में पैर काटने तक की नौबत आ सकती है।

घर पर पुराने कपड़े रखने से बढ़ती है नकारात्मकता, जानिए वास्तु उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर पर पुराने, फटे और बेकार हो चुके कपड़ों से नकारात्मकता फैलती है। वास्तु में पुराने कपड़ों को घर पर ज्यादा दिनों तक रखना अच्छा नहीं माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर फटे, पुराने और बेकार हो चुके कपड़ों से हमेशा ही नकारात्मक ऊर्जा फैलती है इसलिए अशुभता को बढ़ाने वाले इन कपड़ों को तुरंत ही घर से बाहर निकाल दें। इससे जीवन में मानसिक तनाव और आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार जिन कपड़ों के रंग उतर गए हों, ऐसे कपड़े जिसमें किसी तरह का दाग लगा हुआ हो, कपड़े फटे और सिलाई खुली हो तो ऐसे कपड़ों से नकारात्मकता फैलती है। ऐसे में इन कपड़ों को भूलकर भी नहीं पहना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी पुराने और फटे हुए कपड़ों को जरूरतमंदों दान में नहीं देना चाहिए। हमेशा अच्छी स्थिति में कपड़ों को दान करना अच्छा माना जाता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव घर में रहता है और सुख-शांति नहीं रहती।

वास्तु शास्त्र के अनुसार पुराने कपड़ों को वहां देना चाहिए जहां पर इसका इस्तेमाल फिर से नए कपड़ों को बनाने में किया जा सके। इसके अलावा फटे हुए कपड़ों से रस्सी और रजाई में इस्तेमाल किया जा सकता है। अलमारी में समय-समय पर साफ-सफाई करते रहें और पुराने कपड़ों को अलग करें। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह कम रहता है। ज्योतिष शास्त्र में पुराने कपड़ों का संबंध शनि और राहु से होता है। जिन घरों में पुराने कपड़े होते हैं वहां पर शनि और राहु का अशुभ प्रभाव रहता है। ऐसे में घर से पुराने कपड़ों को हटाने से शनि और राहु का बुरा प्रभाव कम होता है। इसके अलावा शनिवार के दिन काले कपड़े का दान करने से शनि दोष कम होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी पुराने कपड़ों को कूड़े में ना डालें और न इसे जलाएं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पुराने कपड़ों को दान करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता आती है, वास्तु दोष दूर होता है और जीवन मं समृद्धि आती है।

बेडरूम में फेंगशुई से खिंची चली आएगी समृद्धि

अक्सर कपल के बीच में लड़ाई होती है, इसका एक बड़ा कारण घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार है। ऐसे में बेडरूम में आप फेंगशुई के कुछ सामान लाकर अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं।

हरे पौधे: फेंगशुई में हरे पौधे जीवन शक्ति और विकास का प्रतीक माने जाते हैं। बेडरूम में छोटे हरे पौधे, जैसे मनी प्लांट, पीस लिली या बांस का पौधा, रखें। इन्हें बेडरूम की पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है। ये पौधे हवा को शुद्ध करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। हालांकि, रात में ऑक्सीजन की खपत करने वाले बड़े पौधों से बचें।

क्रिस्टल: फेंगशुई में क्रिस्टल को ऊर्जा संतुलन का प्रतीक माना जाता है। बेडरूम में गुलाबी क्वाट्र्ज या अमेथिस्ट क्रिस्टल रखें, जो प्रेम, शांति और नींद को बढ़ावा देते हैं। इन्हें बेड के पास या उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। गुलाबी क्वाट्र्ज पति-पत्नी के बीच प्रेम और समझ को बढ़ाता है, जबकि अमेथिस्ट तनाव कम करता है।

लकड़ी का फर्नीचर: फेंग शुई के अनुसार, बेडरूम में लकड़ी का फर्नीचर सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। लकड़ी स्थिरता और गर्माहट का प्रतीक है। लकड़ी का बेड, ड्रेसिंग टेबल या अलमारी चुनें, और इन्हें बेडरूम की पश्चिम या उत्तर दिशा में रखें। धातु के फर्नीचर से बचें। बेड को दीवार के सहारे रखें, लेकिन इसे दरवाजे के सामने न रखें, ताकि ऊर्जा का प्रवाह बाधित न हो।

सॉफ्ट लाइटिंग: बेडरूम में सॉफ्ट और गर्म रोशनी सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। फेंग शुई के अनुसार, तेज रोशनी से बचें और हल्की पीली या गुलाबी रोशनी वाली लैंप का इस्तेमाल करें।

बार-बार सर्दी-जुकाम से परेशान हैं तो जानें इससे बचाव के उपाय

अक्सर कुछ लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम होता है। ऐसे में बहुत लोगों को सवाल होता है कि आखिर इसके पीछे की मुख्य वजह क्या है? इसी के बारे में जानते हैं। साथ ही ये भी जानेंगे कि जुकाम के शुरुआती लक्षण दिखने पर क्या करना चाहिए। बदलते मौसम में या बिना किसी स्पष्ट कारण के बार-बार सर्दी-जुकाम होना एक आम लेकिन बेहद परेशान करने वाली समस्या है। यह न केवल दिनभर की गतिविधियों को प्रभावित करता है, बल्कि शरीर को थका हुआ और कमजोर भी महसूस कराता है।

बहुत से लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ मौसम बदलने या ठंडी हवा लगने के कारण होता है, लेकिन अक्सर इसके पीछे कुछ और गहरे कारण छिपे होते हैं, जो हमारी आदतों और प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़े होते हैं। अगर आप भी बार-बार सर्दी-जुकाम की चपेट में आते रहते हैं, तो यह आपको जरूर जानना चाहिए।

बार-बार सर्दी-जुकाम होने के मुख्य कारण

बार-बार सर्दी-जुकाम होने का सबसे बड़ा कारण हमारी

कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली है। जब शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है, तो वह आसानी से वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ जाता है।

आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होने के कई मुख्य कारण हो सकते हैं, जो आपको बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं। इनमें सबसे पहले पोषण की कमी आती है, जहां विटामिन सी, विटामिन डी और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी से शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण नींद की कमी है; जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते, तो शरीर को खुद को ठीक करने और प्रतिरक्षा कोशिकाओं को बनाने का समय नहीं मिलता, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। तीसरा कारण पुराना तनाव है, क्योंकि लंबे समय तक तनाव में रहने से कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है। इन सब के अलावा वायरस का बार-बार संपर्क भी एक बड़ी वजह है, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर रहना या साफ-सफाई का ठीक से ध्यान न रखना, जिससे आप बार-बार वायरस की चपेट में आते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

हाथों की स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई

सर्दी-जुकाम फैलाने वाले वायरस मुख्य रूप से हाथों के माध्यम से फैलते हैं। जब हम किसी संक्रमित सतह को छूते हैं और फिर अपने चेहरे (आंखें, नाक, मुंह) को छूते हैं, तो वायरस हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए, हाथों की स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण बचाव का उपाय है। नियमित रूप से और अच्छी तरह से अपने हाथों को साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक धोएं, खासकर खांसने, छींकने, सार्वजनिक सतहों को छूने के बाद हाथ को अच्छे से साफ करें।

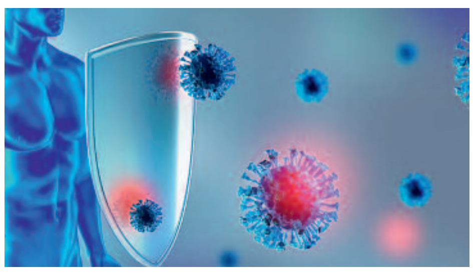

कार्नर न्यूज

मानसिक व्याधियों के उपचार के लिए योग है कारगर

रिश्तों में दूरी से पनप रहा अवसाद तो योग में मिलेगा इसे दूर करने का रास्ता

पार्टनर से दूरी होने पर मानसिक स्थिति पर असर होना स्वाभाविक है, अगर ऐसे कुछ लक्षणों से आपको या किसी करीबी को भी गुजरना पड़ा हो तो इससे उबरने योग के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की आवश्यकता है।

व्यस्त जीवनशैली, करियर की चाहत और नौकरी का दबाव इस कदर हावी होता जा रहा है, कि लोगों के पास अपने परिवार या रिश्तों के लिए समय ही नहीं बचा है। लॉंग डिस्टेंस रिलेशनशिप के मामले में बढ़ रहे हैं, जहां लोग अपने बॉयफ्रेंड -गर्लफ्रेंड ही नहीं पति-पत्नी से भी अलग रहने को मजबूर हैं। वहीं काम के बोझ के कारण आप एक ही परिवार में रहकर अपने पार्टनर को वक्त नहीं दे पाते हैं। ऐसे में दोनों में से एक पार्टनर के पास अगर वक्त है तो वह साथी के अनदेखी के कारण खुद को इस रिश्ते में अकेला महसूस करने लगता है।

कभी-कभी रिश्तों में दूरियां आने के बाद खुद को टूटता हुआ महसूस होता है, लेकिन योग आपको अंदर से मजबूत करता है। यह आत्म-स्वीकृति, आत्म-प्रेम और मानसिक स्थिरता को जन्म देता है। इमोशनल हीलिंग के लिए योग एक असरदार प्राकृतिक उपचार है। अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं या पार्टनर

से दूरी के कारण स्ट्रेस में रहते हैं तो कुछ योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं। सबसे पहले तो इस लेख के जरिए ये समझिए कि पार्टनर से दूरी होने पर आपकी मानसिक स्थिति पर कितना असर हो रहा है, अगर आप में लेख में बताए जा रहे लक्षण नजर आते हैं, तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है और योग के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की आवश्यकता है।

पार्टनर से दूरी होने पर मानसिक रूप से दिख सकते हैं ये लक्षण

हर वक्त बेचैनी या घबराहट,अकेलापन और खालीपन महसूस होना,अनचाहा रोना या मूड स्विंग,आत्म-संकोच या आत्मग्लानि, ध्यान की कमी और थकान, नींद न आना या ज्यादा सोना,यह लक्षण धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में यदि आप अपने रिश्ते को सुधार नहीं पा रहे हैं तो सबसे पहले खुद को संभालना जरूरी है। मानसिक थकान और भावनात्मक दर्द से राहत पाने के लिए योग जरूरी है।

शवासन

यह विश्राम आसन मानसिक थकान को दूर करता है और आपको आंतरिक शांति देता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क शांत और तनाव व हल्के अवसाद से राहत पाने में मदद मिलती है। शवासन पूरे शरीर को आराम देता है। इस आसन से सिरदर्द, थकान और अनिद्रा की शिकायत को दूर किया जा सकता है। शवासन रक्तचाप कम करने में मदद करता है

अनुलोम-विलोम प्राणायाम

यह ब्रीदिंग तकनीक आपको मानसिक स्थिरता और भावनात्मक संतुलन प्रदान करती है। अनुलोम विलोम प्राणायाम के अभ्यास से मानसिक तनाव और चिंता में राहत मिलती है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है।

बालासन

बालासन एक आरामदायक योगासन है जो शरीर और मन दोनों को शांत करने में मदद करता है। यह तनाव और चिंता को कम करके, पीठ दर्द से राहत दिलाने, पाचन में सुधार करने और शरीर को आराम देने में सहायक है। बालासन का अभ्यास मानसिक तनाव कम करता और आपके भीतर के डर और असुरक्षा की भावना को शांत करता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'रेसिडेंट ईविल' के सेट पर हुए हादसे का निर्देशक ने किया जिक्र,बाल-बाल बचे थे

निर्देशक जैक क्रेगर ने बताया है कि अपकमिंग फिल्म के एक अहम एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान एक्टर ऑस्टिन एब्राम्स एक जानलेवा हादसे से बाल-बाल बचे।

'रेसिडेंट ईविल' के निर्देशक जैक क्रेगर ने अपनी फिल्म में हुए एक हादसे के बारे में बताया है। उनके मुताबिक एब्राम्स शूटिंग के दौरान क्रेन से गिराई गई एक वजनदार चीज से बाल-बाल बच गए। यह चीज इंसान के शरीर के आकार की थी। इसका वजन 150 पाउंड था।

स्लैशफिल्म से बातचीत में क्रेगर ने उस स्टंट सीन का जिक्र करते हुए कहा, 'इससे उसकी जान जा सकती थी। अगर वह एक कदम भी दाईं ओर होता, तो मर ही जाता। यह शॉट फिल्म में है, इसलिए यह सब सार्थक रहा। मैं तो हैरान ही रह गया था।'

पीपल के अनुसार फिल्म के ट्रेलर में थोड़ी देर के लिए दिखाए गए इस सीन में ब्रायन को भागते हुए दिखाया गया है, जबकि उसके आस-पास छतों से शरीर के आकार की चीजें गिर रही हैं। ऐसा लगता है जैसे कोई महामारी फैल गई हो।

क्रेगर ने कहा कि वह चाहते थे कि धमाके और गिरते हुए शरीर असल में (प्रैक्टिकली) दिखाए जाएं, न कि विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया जाए।

उन्होंने आगे बताया 'इसलिए, हमें असल में एक ऐसा सीन डिजाइन करना था, जिसमें वह बस भाग रहा हो और उसके आस-पास शरीर गिर रहे हों और धमाके हो रहे हों। मैं इसे वीएफएक्स से नहीं करना चाहता क्योंकि मुझे लगता है कि यह बस वीएफएक्स जैसा ही लगेगा।'

टॉलीवुड

घुड़सवारी, चाकू और बंदूक चलाना सीखा 'रणबाली' के लिए विजय ने ली सख्त ट्रेनिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म में अपने किरदार में असर लाने के लिए कई तरह की ट्रेनिंग ली है। इन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि उनका किरदार असली लगे।

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

इंडिया टुडे ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।' सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

भोजपुरी

खेसारी पर आपत्तिजनक तस्वीरें फैलाने का आरोप, अभिनेत्री ने दर्ज कराई एफआईआर

भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लेकर भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री ने खेसारी पर अपनी फेक तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। अंजना सिंह ने भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल यादव की टीम से जुड़े लोगों पर यह कंटेंट फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। अंजना ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से मेरी और मेरी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो फैलाए जा रहे हैं। अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और धमकियां दी जा रही हैं'। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि उन्हें कुछ लोगों से धमकियां मिल रही हैं, जिनमें लखनऊ न जाने की चेतावनी भी शामिल है। अंजना ने यह भी दावा किया कि खेसारी लाल यादव के मैनेजर अखिलेश कश्यप, उन्हें निशाना बनाने वाला कंटेंट बनाने और उसे प्रमोट करने में शामिल थे।

ब्लैक एंड व्हाइट का दौर

ब्लैक एंड व्हाइट को सदाबहार फैशन माना जाता है। युवाओं के लिए यह सर्वसुलभ फैशन रहा है। किसी भी मौसम में इसे शान के साथ अपनाया जा सकता है। दुनिया भर के डिजाइनरों की मानें तो बगैर किसी खास स्टाइल के भी ब्लैक एंड वाइट अपने आप में एक स्टाइल है।

दही और नीम से घर पर बनाएं फेस पैक, जानें बनाने का तरीका

चेहरे पर पिंपल्स, रैशेज और दाग धब्बे होना एक आम समस्या है, लेकिन यह समस्या चेहरे की खूबसूरती को कम कर सकती है, जिससे अधिकतर महिलाएं परेशान होती है। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से एक ऐसे होममेड फेस पैक के बारे में जानना चाहिए, जिसे इस्तेमाल कर आप इन सभी समस्याओं को कम कर सकती है।

चेहरे के लिए नीम और दही

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा ने बताया कि अगर आप भी चेहरे पर हो रही परेशानी की वजह से हमेशा उदास रहती है, तो अब आप घर पर एक खास होममेड फेस पैक को ट्राई कर इन समस्याओं को कम कर सकती हैं और चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। हम बात कर रहे हैं, नीम और दही से बने फेसपैक की। इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। इसके लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी जैसे -नीम और दही से फेसपैक बनाने के लिए नीम पावडर,दही,विटामिन ई कैप्सूल और गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले नीम के पत्तों को सुखाकर मिक्सर या ब्लैडर में पीसकर उसका पाउडर तैयार करें। अब इस पाउडर को एक कटोरी में निकाल लें और इसमें दो बड़े चम्मच दही, विटामिन ई कैप्सूल और थोड़ा गुलाब जल मिला दे। इस पेस्ट को अच्छी तरह फट लें और थोड़ी देर के लिए रख दे। अब आपका फेस पैक बनकर तैयार है। आप इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से पहले चेहरे को साफ पानी से धो लें और सुखा ले। उसके बाद आप इस पेस्ट को 30 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाकर रखें। थोड़ी देर के बाद आप कच्चा दूध लेकर चेहरे की मसाज कर सकती हैं। ध्यान रहे मसाज करते

वक्त आपके चेहरे को रगड़ना नहीं है, बल्कि हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करनी है।

ऐसा करने से आपको काफी हद तक फायदा देखने को मिल सकता है। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। अगर आपको त्वचा संबंधित कोई परेशानी होती है, तो तुरंत डर्मेटोलॉजिस्ट या एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

सावन महीने में ट्राई करें मिरर वर्क सूट के नए डिजाइन, देंगे रॉयल लुक

अगर आप भी इस साल सावन में अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो आप इन खूबसूरत मिरर वर्क सूट को ट्राई कर अपने लुक को खास बना सकती हैं। महिलाएं अपने लुक को डिफरेंट बनाने के लिए कई प्रयास करती हैं।

इनमें से कुछ महिलाएं अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए अलग-अलग तरह के आउटफिट भी ट्राई करती हैं। ऐसे में सावन के महीने मने महिलाएं नए नए आउटफिट ट्राई करती हैं। अगर आप भी इस साल सावन में अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो ये खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है।

ग्रीन मिरर वर्क शरारा सेट

अगर आप इस साल सावन के महीने में अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं या घर पर कोई छोटा-मोटा कार्यक्रम है और आप उस प्रोग्राम में अपने लुक से सभी का दिल जीतना चाहती है, तो अब आपको आउटफिट को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपके लिए यह खूबसूरत ग्रीन मिरर वर्क शरारा सेट एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसे पहनकर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती है। इस तरह के आउटफिट को आप बाजार से कपड़ा लाकर बनवा सकती हैं या ऑनलाइन खरीद सकती है।

कॉटन मिरर वर्क सलवार कमीज सूट

अगर आप सावन के महीने में कुछ यूनिक और डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं, तो एक जैसे सलवार सूट या गाउन को ट्राई करने के बजाय आप इस तरह का खूबसूरत कॉटन मिरर वर्क सलवार कमीज सूट को भी ट्राई कर सकती हैं। ऐसे सूट इन दिनों बहुत चर्चा में है। यह आपके लुक को एलिगेंट और क्लासी टच देने में बहुत मदद करेंगे। इसे आप टेलर की मदद से बनवा सकती है या ऑनलाइन भी खरीद सकती है।

मिरर वर्क लाइट पिंक गाउन

अपनी खूबसूरती से सभी को खुश करने के लिए और सावन के महीने में रुद्राभिषेक के दौरान अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप इस तरह के खूबसूरत मिरर वर्क लाइट पिंक गाउन को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे सूट आपको मॉडर्न और एलिगेंट टच देने में बहुत मदद करेंगे।

नेकलेस की जगह स्टाइल करें चेन पेंडेट सेट, देखें डिजाइंस

आउटफिट स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन जब इसके साथ ज्वेलरी पहनने की बात आती है, तो ऐसे में अलग-अलग तरह के नेकलेस सेट डिजाइन को सर्च करते हैं। इसकी वजह से कई बार ये नेकलाइन के हिसाब से अच्छे लगते हैं, तो कई बार इनका डिजाइन ही लुक को क्रिएटिव बनाता है। इस बार आप ड्रेस के साथ पहनने के लिए चेन पेंडेट सेट को स्टाइल कर सकती हैं।

हार्ट डिजाइन वाला पेंडेट सेट

आप आउटफिट के साथ पहनने के लिए आप हार्ट डिजाइन वाले पेंडेट सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की सेट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इनके साथ स्टड इयररिंग्स भी मिल जाते हैं। जिसे वियर करे आपका लुक अच्छा नजर आएगा। इसे आप आसपास की लोकल मार्केट से भी जाकर खरीद सकती हैं।

फिश डिजाइन वाला पेंडेट सेट

स्टाइलिश लुक के लिए आप फिश डिजाइन वाले पेंडेट सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सेट पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। इसमें आपको चेन के साथ पेंडेट में फिश और लोटस फ्लावर का डिजाइन मिलेगा। इसमें स्टड इयररिंग्स भी आपको सेम डिजाइन के मिलेंगे। इसे पहनकर आपका लुक काफी अच्छा नजर आएगा। साथ ही, आप काफी सुंदर दिखाई देंगी। मार्केट में इस तरह के सेट आपको 100 से 300 रुपये में मिल जाएंगे। आप लुक को क्रिएटिव बनाने के लिए क्रिस्टल डिजाइन वाले पेंडेट सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के पेंडेट सेट आप किसी भी स्टाइलिश आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं। इसे पहनकर आपका लुक काफी अच्छा और खूबसूरत नजर आएगा।

झड़ते और टूटते बालों के लिए रामबाण है प्याज का तेल

झड़ते और टूटते बालों को कम करना है, तो इसके लिए प्याज के तेल का इस्तेमाल करें। प्याज के तेल बालों के लिए अच्छे होते होता है। इसलिए आपको इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

प्याज के तेल लगाने के फायदे

प्याज के तेल में सल्फर, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण बालों को मजबूत बनाने और हेयर ग्रोथ बढ़ाने में बेहद फायदेमंद होते हैं। साथ ही, बालों के स्कैल्प को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसलिए आप इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे बनाना भी काफी आसान होता है। साथ ही, इसे स्टोर करके भी ज्यादा समय के लिए किया जा सकता है।

प्याज के तेल को बनाने का तरीका

इसके लिए आपको प्याज को कद्दूकस करके रखना है। इसके बाद इसे प्याज को पैन में तेल के साथ धीमी आंच में पकाना है। इसे तबतक पकाना है, जबतक ये ब्राउन न हो जाए और इसमें खुशबू न आए। इसके बाद इसे छानकर एक बोतल में डाल लें।

प्याज का तेल कैसे लगाएं?

तेल को थोड़ा गर्म कर लें। उंगलियों की मदद से

स्कैल्प पर हल्के हाथों से मसाज करें। बालों की लंबाई पर भी तेल लगाएं। कम से कम 1 घंटे या पूरी रात छोड़ दें। माइल्ड शैम्पू से बाल धो लें। इसका इस्तेमाल 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

प्याज की गंध हटाने के लिए शैंपू के बाद बालों में सीरम का इस्तेमाल करें। यह असरदार और नैचुरल तरीका है बालों की देखभाल का। अगर आप झड़ते और टूटते बालों से परेशान हैं, तो इसे आजमाएं और फर्क खुद देखें। आप इसे बनाकर स्टोर कर सकते हैं। साथ ही, आपके बालों में इसके इस्तेमाल किसी तरह की कोई प्रॉब्लम नहीं होगी। बस आपको एक्सपर्ट राय जरूर लेनी है, ताकि आपके बालों कमें कोई प्रॉब्लम नहीं होगी।

कार्नर न्यूज

भीड़ में अलग दिखने स्टाइल चुनें सावधानी से

खास मौके पर स्टाइलिश दिखना है तो इन गलतियों से रहें दूर, वरना देखकर हंसेंगे लोग

यदि किसी भी खास मौके पर आप खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो तैयार होते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य ही रखें। हर महिला और लड़की के लिए ऐसा मौका काफी खास होता है। ये मौका होता है सजने और संवरने का, जिसमें महिलाएं खूब अच्छे से तैयार होती हैं, अपने लिए नये-नये कपड़े खरीदती हैं, नया मेकअप और ज्वेलरी खरीदती हैं। जल्दबाजी के चक्कर में या फिर बिना सोचे-समझे कई महिलाएं तैयार होते समय कुछ ऐसी गलतियां कर देती हैं, जिनकी वजह से उनका लुक अच्छा दिखने की वजह खराब हो जाता है। ये गलतियां जाने-अनजाने में होती हैं। इसलिए आज हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

मौके के हिसाब से कपड़े का चयन न करना

कई बार हम बिना सोचे-समझे कुछ ऐसे कपड़े खरीद लेते हैं, जिनकी शायद हमें जरूरत भी नहीं है। ऐसे कपड़ों को कहीं भी न पहनें। खासतौर पर जब बात त्योहारों की हो रही है तो ध्यान रखें कि ये कपड़े ज्यादा हैवी नहीं होने चाहिए। त्योहारों में पूजा-पाठ

भी होती है, ऐसे में ज्यादा भारी कपड़े पहनकर आपको शायद बैठने में दिक्कत हो सकती है।

गलत एक्सेसरीज और मेकअप का चयन कैरी करना

लुक कैरी करते समय एक्सेसरीज का चयन हमेशा अपने आउटफिट और मौके के हिसाब से करें। हर आउटफिट के साथ और हर जगह ज्यादा हैवी एक्सेसरीज अच्छी नहीं लगती हैं। अगर आउटफिट हैवी है, तो गहने हल्के रखें और मेकअप भी सिंपल ही रखें। वरना आपके गहने और मेकअप आपके आउटफिट को फीका ना देगा।

मौसम के हिसाब से तैयार न होना

यदि आप मौसम के हिसाब से तैयार होंगी तो हर कोई आपकी तारीफ करेगा। जैसे कि गर्मियों में सिल्क या भारी फैब्रिक पहनना और सर्दियों में हल्के कपड़े पहनना ना

सिर्फ असहज करता है, बल्कि लुक भी बिगाड़ देता है। इसलिए अभी आज के मौसम में हमेशा हल्के फैब्रिक वाले कपड़े का चयन करें। सर्दी के मौसम में मोटे फैब्रिक का चयन कर सकते हैं।

सही फिटिंग को नजरअंदाज करना

आपका आउटफिट हमेशा सही फिटिंग का होना चाहिए। गलत फिटिंग से आपका पूरा लुक ही बिगड़ जाएगा। इसके लिए आपको कपड़े तैयार करने से पहले ट्रायल अवश्य लेना चाहिए। खासतौर पर अगर आउटफिट त्योहार के लिए तैयार करा रहे हैं तो एक बार पहले ट्रायल अवश्य लें, ताकि आपके कपड़े की फिटिंग परफेक्ट रहे।

सही हेयर स्टाइल न होना

इस बात को खासतौर पर ध्यान में रखें। ये जानना बेहद जरूरी है कि हर आउटफिट के साथ खुले बाल या जूड़ा अच्छा नहीं लगता है। समय-समय पर आउटफिट के हिसाब से अपना हेयर स्टाइल बदलें। आपका हेयर स्टाइल आपकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ाने का काम करता है। इसलिए तैयार होते समय हेयर स्टाइल का खास ध्यान रखें।

आत्मविश्वास की कमी होना

किसी भी समारोह के लिए तैयार हो रहे हैं तो आपकी सबसे अहम एक्सेसरीज आपका आत्मविश्वास ही होनी चाहिए। भले ही सब कुछ अच्छा हो, लेकिन अगर आप खुद में कॉन्फिडेंट नहीं लग रहे तो लुक असरदार नहीं बन पाएगा।